सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 15 अंक - 283 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शुक्रवार 26 जुलाई 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

रायपुर रेलवे स्टेशन पर बिस्किट चोरी करने पर युवक को प्लेटफार्म पर घसीटा

रायपुर। राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन में लगे स्टॉल से बिस्किट चोरी करना एक युवक को भारी पड़ गया। चोरी करते पाए जाने पर स्टॉल कर्मचारियों उसकी जमकर पिटाई कर दी। इतना ही नहीं उसके पैर को कपड़े से बांध कर प्लेटफार्म पर घसीट दिया। उसे पूरे प्लेटफार्म में घसीटते हुए जीआरपी थाने तक ले जाने की कोशिश की गई। हैरानी की बात यह है कि वहां मौजूद आरपीएफके जवान भी मूकदर्शक बने रहे। इस एक वीडियो भी वायरल हो रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, रेलवे स्टेशन में रात लगभग साढ़े तीन बजे के बीच प्लेटफार्म में लगे स्टाल से चार चोर बिस्किट चोरी करते हुए पकड़े गए। इसमें से एक चोर को स्टॉल कर्मचारियों ने रंगेहाथ पकड़ लिया। वहीं तीन लोग मौके से भाग निकले। चोरी करते पकड़े गए युवक को कर्मचारियों ने बेदम पिटाई कर दी। इसके अलावा पैरों में कपड़े बांधकर प्लेटफार्म से घसीटते हुए जीआरपी थाने तक ले जाने की कोशिश की गई। यह घटना आरपीएफजवानों के आंखों-देखी घटना है। स्टॉल के कर्मचारियों ने जब युवक को घसीटते हुए ले जा रहे थे। उस वक्त आरपीएफजवान वहां मौजूद थे, लेकिन उन्होंने कोई ठोस कदम नहीं उठाया, बल्कि मूकदर्शक बने रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति बनाकर मुआवजा और चौड़ीकरण के लिए जमीन की जरूरत का कराया जाएगा परीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में हुई बैठक में रायपुर के अधूरे स्काई-वॉक के निर्माण को पुराने डिजाइन के अनुसार पूर्ण करने का निर्णय लिया गया है। रायपुर के शारदा चौक से तात्यापारा चौक के बीच बहुप्रतीक्षित सड़क चौड़ीकरण के लिए कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति बनाकर मुआवजा और चौड़ीकरण के लिए जमीन की जरूरत का परीक्षण कराकर काम आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव, रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व सांसद सुनील सोनी, रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत, रायपुर ग्रामीण के विधायक मोतीलाल साहू, पूर्व विधायक नंदकुमार साहू, श्रीचंद सुंदरानी और शहर के अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

अब पूरा होगा स्काई-वॉक

पुराने ड्राइंग व डिजाइन पर होगा निर्माण

सीएम विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया निर्णय

बैठक में चर्चा के दौरान स्काई-वॉक के निर्माण के बारे में जानकारी दी गई कि तत्कालीन मुख्यमंत्री के निर्देश पर शास्त्री चौक पर पैदल चलने वाले यात्रियों की गणना की गई थी। उस समय अक्टूबर-2016 में पाया गया कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर चिकित्सालय चौक पर 14 हजार और शास्त्री चौक पर 27 हजार पैदल चलने वाले यात्री निकलते हैं। मई-2019 में दोबारा गणना के दौरान डॉ. भीमराव अम्बेडकर चिकित्सालय चौक पर पैदल निकलने वाले यात्रियों की संख्या 25 हजार 095 और शास्त्री चौक पर 35 हजार 920 थी जो कि पहले की गणना से चलने वाले यात्रियों की संख्या से अधिक थी। राज्य में पूर्ववर्ती सरकार द्वारा अधूरे स्काई-वॉक के संबंध में सुझाव समिति का गठन किया गया था। सुझाव समिति ने भी यह सुझाव दिया था कि स्काई-वॉक का निर्माण कार्य पूर्ण किया जाए। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में हुई बैठक में स्काई-वॉक निर्माण के संबंध में विस्तृत चर्चा और उप मुख्यमंत्री तथा विभागीय मंत्री श्री अरुण साव की सहमति के बाद इसे पूर्व अनुमोदित ड्राइंग-डिजाइन के अनुसार पूर्ण करने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया।

बैठक में रायपुर के कलेक्टर की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने का भी निर्णय लिया गया। यह समिति 30 दिनों के भीतर शारदा चौक से तात्यापारा चौक तक वास्तविक रूप से कुल कितनी भूमि का अर्जन और अतिक्रमण मुक्त किया जाना है, अर्जन या विस्थापन में कितने भू-स्वामी व अतिक्रमणकर्ता प्रभावित हो रहे हैं, आबादी (शासकीय) भूमि एवं निजी भूमि (परिसंपत्ति सहित) के सम्पूर्ण विवरण तथा चौड़ीकरण के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध कराने हेतु विकल्प एवं अनुशंसा प्रस्तुत करेगी। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा इस समिति का गठन किया जाएगा।

रोजना रहता है यातायात का दबाव, लोगों को होती है परेशानी

बैठक में शारदा चौक से तात्यापारा चौक तक के सड़क के चौड़ीकरण के संबंध जानकारी दी गई कि जयस्तंभ चौक से शारदा चौक तक फोरलेन मार्ग निर्मित है। साथ ही तात्यापारा चौक से आगे आजाद चौक की ओर भी फोरलेन मार्ग निर्मित है। शारदा चौक से तात्यापारा चौक के बीच मात्र 510 मीटर लम्बाई के फोरलेन नहीं होने के कारण प्रतिदिन चारपहिया एवं दोपहिया वाहनों का अत्यधिक दबाव रहता है जिससे आम लोगों को बहुत परेशानी होती है। यह रायपुर की लम्बे समय से लंबित मांग है। दोनों ओर की सड़कों के चौड़ीकरण होने के बाद बीच के छूटे हिस्से का चौड़ीकरण किया जाना आवश्यक हैं। विस्तृत चर्चा के बाद बैठक में निर्णय लिया गया कि शास्त्री चौक से तात्यापारा चौक के मध्य की सड़क को तात्यापारा चौक से आजाद चौक तक सड़क चौड़ीकरण जिस रूपांकन एवं चौड़ाई में किया गया है, उसी प्रकार शारदा चौक से तात्यापारा चौक तक सड़क चौड़ीकरण किया जाए।

कारगिल विजय दिसव : द्रास में वॉर मेमोरियल पहुंचे पीएम मोदी, शहीद हुए जवानों को दी श्रद्धांजलि

जम्मू (ए.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 25वें कारगिल विजय दिसव के अवसर पर द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर कारगिल युद्ध के नायकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ पर वीरवार को लामोचेन (द्रास) में भव्य कार्यक्रम हुआ। इसमें कारगिल युद्ध नायकों की वीरगाथा का बखान किया गया। थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी मुख्य अतिथि रहे। सेना की उत्तरी कमान के सभी प्रमुख अधिकारी भी मौजूद रहे।

बता दें 26 जुलाई 1999 को भारत ने कारगिल युद्ध में विजय हासिल की थी। इस दिन को हर वर्ष कारगिल विजय दिवस के रूप

में मनाया जाता है। कार्यक्रम की शुरुआत माइक्रोलाइट नोड गया के फ्लाइंग रैबिट्स के फ्लाईपास्ट से हुई। कारगिल युद्ध की घटनाओं का ऑडियो विजुअल चलाया गया। इसमें कारगिल युद्ध की पूरी कहानी बताई गई। भीषण युद्धों वाले पहाड़ों की पृष्ठभूमि में जीवंत वर्णन ने प्रत्येक युद्ध के दृश्य को जीवंत कर दिया।

कार्यक्रम स्थल सैनिकों की बहादुरी व बलिदान की गाथाओं से गूंज उठा। युद्ध नायकों, वीर नारियों, वीर माताओं और युद्ध के दौरान प्राणों की आहुति देने वाले वीर सैनिकों के रिश्तेदारों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कारगिल युद्ध में भारतीय सशस्त्र बलों के सैनिकों ने सबसे चुनौतीपूर्ण इलाकों में कठोर मौसम की स्थिति में लड़ाई लड़ी, जिसके परिणामस्वरूप द्रास, कारगिल और बटालिक सेक्टरों में दुश्मन को हार का सामना करना पड़ा था।

दल्लीराजहरा-अंतागढ़ पैसेंजर पेड़ से टकराई, लोको पायलट घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर (ए.)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में दल्लीराजहरा से अंतागढ चलने वाली पैसेंजर ट्रेन हादसा का शिकार हो गई। भारी बारिश के कारण विशालकाय पेड़ ट्रैक पर गिरा। ट्रैक पर पेड़ गिरने से दल्लीराजहरा -अंतागढ ट्रेन पेड़ से टकरा गई जिससे लोको पायलट घायल हो गया है। हालांकि सभी यात्री सुरक्षित हैं।

मिली जानकारी के अनुसार दल्लीराजहरा से अंतागढ़ की तरफ जा रही पैसेंजर ट्रेन सुबह 4 बजे पेड़ से टकरा गई। रेल की पटरी में एक विशालकाय बरगद का पेड़ गिरा हुआ था। गिरे हुए पेड़ में ट्रेन की टक्कर हुई है। पायलट को मामूली चोट आई है। बाकी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। भानुप्रतापपुर से पहले मुल्ले कैम्प के पास यह हादसा हुआ है। रेलवे की टीम मौके पर पहुंची है। रेलवे की टीम

शुरू किया। कुछ घंटों की मशक्कत के बाद पटरी से पेड़ हटाया गया और इसके बाद पैसेंजर ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया।

सुबह से हो रही बारिश, प्रदेश के पांचों संभाग में दिन भर बरसेंगे बादल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में आज सुबह से ही बारिश हो रही है। इसके साथ ही प्रदेश के कई इलाकों में झमाझम बारिश हो रही है। इसे लेकर मौसम विभाग ने कई जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। लगातार बारिश की वजह से ठंड भी बढ़ रही है। साथ ही अधिकतम तापमान में भी गिरावट दर्ज की जा रही है। आज शुक्रवार को मानसून द्रोणिका के प्रभाव से प्रदेश के अधिकांश जगहों में हल्की मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही एक दो जगहों पर गरज चमक के साथ भारी बारिश के आसार हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, बालोद, बलौदाबाजार, बेमेतरा, बिलासपुर, धमतरी, दुर्ग, गरियाबंद, जीपीएम, जांजगीर-चांपा,

कबीरधाम, केसीजी, कोरबा, कोरिया, महासमुंद, एमसीबी, मुंगेली, रायपुर, राजनांदगांव, सूरजपुर में अलग-अलग स्थानों पर मध्यम बारिश के साथ हल्के बादलों से बिजली चमकने की संभावना है। इसके अलावा सरगुजा और बस्तर संभाग के जशपुर, सूरजपुर, नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर और बलरामपुर जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश में 487.1 मिमी बारिश हो चुकी है, जो कि सामान्य से दो प्रतिशत कम है। प्रदेश के सरगुजा, रायपुर और बीजापुर के इलाकों में अच्छी बारिश हुई है। सर्वाधिक बारिश बीजापुर में हुई है यहां 1096.7 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य से 95त्न ज्यादा है। सबसे कम सरगुजा में 213 में बारिश हुई, जो सामान्य से 60त्न कम है। वहीं रायपुर जिले में 412.8 में बारिश हुई जो सामान्य से चार प्रतिशत कम है।

भाटापारा में मुसीबत बनी बारिश: खेतों में भरा पानी... कर्ज में डूबा किसान; 17 जिलों के लिए येलो अलर्ट

भाटापारा में लगातार हो रही बारिश से किसानों के खेत और खेत का मेड पानी से लबालब भरा हुआ है। कॉलोनाइजर के द्वारा रोड निर्माण करने से खेत का पानी निकासी का कोई रास्ता नहीं है। अधिकारियों से कुछ सालों से किसान के द्वारा शिकायत की जाती है। लेकिन निराकरण आज तक नहीं हुआ है। खेत में कुछ सालों से पानी निकासी नही होने से बीज और फसल खराब होने से कृषि बैंक के कर्ज से मुक्त नहीं हो पा रहा है। किसान कर्ज मुक्त नहीं होने के कारण खेती के लिए बैंक से भी सहायता नहीं मिल पा रही है। अन्य जगह से कर्ज लेकर खेती हो रही है। बारिश का पानी नहीं निकलने की वजह से बीज सड़ने से फिर किसान कर्ज में डूब जाएगा।

प्रदेश में बनी रहेगी मानसून की सक्रियता

छत्तीसगढ़ में अगले दो तीन दिनों तक मानसून की सक्रियता बनी रहेगी। साथ ही प्रदेश में लागतार मानसून की सक्रियता बढ़ रही है। इसके प्रभाव से प्रदेश के अधिकांश जगहों में बारिश हो रही है। बीत गुरुवार को मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया था। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर हल्की मध्यम बारिश और एक-दो जगह पर भारी बारिश होने की संभावना है। इसे लेकर मौसम विभाग ने 17 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं सात जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

आंखें भी खोलता है कारगिल दिवस

श्रीकंचनपथ

वैसे तो देशभक्ति के लिए किसी सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है पर अपने घर की बैठकों में सुरक्षित बैठे लोगों के लिए कारगिल एक 'आई-ओपनर' साबित हो सकता है। आज पूरा देश कारगिल विजय दिवस मना रहा है। साल 1999 में चला 60 दिन का यह युद्ध भारत और पाकिस्तान के बीच लड़ा गया था। 26 जुलाई को भारतीय सेना ने कारगिल की चोटी पर तिरंगा लहराकर पाकिस्तान को उसकी जगह दिखा दी थी। कुछ लोगों को यह जानकर हैरानी होगी कि इस युद्ध में भी मुसलमानों ने बढ़चढ़कर भागीदारी दी थी। पाकिस्तानी घुसपैठ की जानकारी सबसे पहले स्थानीय चरवाहों को हुई। इनमें बड़ी संख्या में मुसलमान थे। उन्होंने घुसपैठ की जानकारी भारतीय सेना को दी। इसी तरह लेह-लद्दाख के क्षेत्र में रहने वाले अन्य पहाड़ी चरवाहों ने भी सेना को पाकिस्तानी सैनिकों के देखे जाने की सूचना दी। इसके बाद भारतीय सेना अलर्ट हो गई और जवाबी व्यूह-रचना शुरू कर दी। यह लड़ाई 16 से 18 हजार फीट की ऊंचाई पर लड़ी गई थी। इस इलाके के चप्पे-चप्पे की जानकारी यहां के चरवाहों को थी जो भारतीय सेना के बड़े काम आई। इन लोगों ने सिर्फसेना को सूचना ही नहीं दी बल्कि बर्फआच्छादित पहाड़ों पर सेना के लिए भोजन और गोला बारूद पहुंचाने का काम भी किया। रात को जब युद्ध थम सा जाता, भारत माता के ये सपूत अपने घोड़ों पर रसद लेकर घुप्प अंधेरे में फिसलन से भरे खतरनाक रास्तों पर आगे बढ़ते और बंकरों तक सामान पहुंचा आते। इसी युद्ध में शामिल थी राजपुताना राइफल्स की एक टुकड़ी। इस टुकड़ी में युवा कैप्टन हनीफउद्दीन भी शामिल थे। उनकी टुकड़ी को टास्क मिला था 18500 फीट की ऊंचाई पर स्थित पाइंट 5590 को कैप्चर करने का। चारों तरफदुश्मन बंकर में छिपे थे। उनका सटीक लोकेशन ताड़ना मुश्किल था। ऐसी तभी हो सकता था जब टुकड़ी पर पाकिस्तानी सेना की नजर पड़े और उधर से फायरिंग हो। यह जिम्मेदारी कैप्टन हनीफ ने ली। वे अकेले ही खुले में चोटी की ओर बढ़ने लगे। जैसा उन्होंने सोचा था वैसा ही हुआ। जैसे ही पाकिस्तानी फौज की नजर कैप्टन हनीफपर पड़ी उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। शहादत से पहले कैप्टन हमीद दुश्मन का सटीक लोकेशन पता करने में सफल रहे और उसे मैप पर मार्क कर दिया। उनके साथ नायब सूबेदार मंगेज सिंह और राइफलमैन प्रवेश कुमार ने भी इस कार्य में शहादत दी। इन जांबाजों ने अपनी शहादत देकर साथियों को एम्बुश का शिकार होने से बचा लिया। दुश्मन का लोकेशन मिलने के बाद घेराबंदी कर उसे नेस्तनाबूद कर दिया गया। घमासान युद्ध के चलते हनीफके शव को कई दिनों तक नीचे नहीं लाया जा सका था। तब हनीफकी मां ने कहा था कि शव जहां है, उसे वहीं छोड़ दिया जाए। वे नहीं चाहतीं कि उनके बेटे का शव लाने के लिए किसी और मां का बेटा अपनी शहादत दे।

संपादकीय

मिसाइल सुरक्षा

बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली के निर्माण में भारत का आगे बढ़ना सुखद और स्वागतयोग्य है। यह देश के लिए खुशखबरी है कि रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने बुधवार को 5,000 किलोमीटर की दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों को नाकाम करने की क्षमता का सफल परीक्षण किया है। बुधवार सुबह से ही बालासोर, ओडिशा के समुद्री तट के आसपास के गांवों में बड़ी हलचल थी कि वैज्ञानिक कोई बड़ा प्रयोग करने जा रहे हैं। अनेक गांव खाली करा लिए गए थे, लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के साथ ही उन्हें आर्थिक मुआवजा भी दिया गया था। बुधवार देर शाम ही यह स्पष्ट हुआ कि आसमान में उड़ती दुश्मन की मिसाइल को जमीन से मार गिराने की क्षमता का सफल परीक्षण किया गया है। यह भारत की बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा प्रणाली के दूसरे चरण की सफलता का अवसर है। मतलब जल्द ही, भारत अपने महत्वपूर्ण शहरों, ठिकानों के आसपास ऐसा मिसाइल सुरक्षा तंत्र स्थापित करेगा, जिससे दुश्मन की ओर से आ रही किसी भी खतरनाक मिसाइल को आसमान में ही नष्ट किया जा सके। अपनी विशाल आबादी की रक्षा के लिए भारत के पास यह सुरक्षा तंत्र होना ही चाहिए। परीक्षण भी बहुत दिलचस्प ढंग से किया गया। पहले एक मिसाइल को दुश्मन की मिसाइल की तरह दागा गया और उसके बाद जमीन व समुद्र में तैनात भारतीय राडारों ने उस मिसाइल का तत्काल पता लगाया और चार मिनट के भीतर ही जमीन से जवाबी बैलिस्टिक मिसाइल ने उड़ान भरी और टारगेट से हवा में ऊपर ही जा टकराया। वैसे तो भारत कम दूरी, मध्यम दूरी और बहुत लंबी दूरी की मिसाइल बनाने में सक्षम है, पर आज के समय में मिसाइल बनाना जितना जरूरी है, उतना ही आवश्यक मिसाइलों से बचने की क्षमता विकसित करना भी है। इस परीक्षण में सबसे बड़ी सफलता दुश्मन की मिसाइल का पता लगाने की क्षमता है, जिसे साल 2006 से ही मुकम्मल करने की कोशिश में भारतीय वैज्ञानिक लगे हुए हैं। भारत अपने बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा कार्यक्रम के पहले चरण को पूरा कर चुका है, जबकि दूसरे चरण में नई श्रेणी के इंटरसेप्ट सिस्टम को पुख्ता करने का काम चल रहा है। कम दूरी की मिसाइलों को मार गिराने की क्षमता भारत के पास पहले से ही है और अब 5,000 किलोमीटर दूर से आने वाली मिसाइलों को भी नष्ट करने की क्षमता भारतीय सेना की ताकत को नए मुकाम पर पहुंचा देगी। चूंकि भारत की नीति कभी भी पहले हमला करने की नहीं रही है, इसलिए भी उसे मिसाइलों का जवाब देने में सक्षम होना चाहिए। आगे के लिए यह मानकर चलना चाहिए कि जब भी युद्ध होगा, भारत का मुकाबला मिसाइलों की बौछार से होगा, अत: उनसे सुरक्षा का कवच तैयार करना समय की मांग है। भारत ने एस-400 नाम का मिसाइल सुरक्षा कवच रूस से लिया है। अभी कुछ और की आपूर्ति होनी है। वास्तव में, हमें अपना पुख्ता मिसाइल सुरक्षा कवच विकसित करना चाहिए। ताजा सूचना है, युद्ध में लगा रूस अब भारत की जरूरतों पर भी ध्यान देगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मास्को यात्रा के बाद रक्षा आपूर्ति में तेजी आ रही है। रूस हमें 120 मिसाइलें देने वाला है। ये सारी मिसाइलें हमें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ठिकानों के आसपास तैनात करनी होंगी। बहरहाल, भारतीय रक्षा पंक्ति का भविष्य उज्ज्वल है और इसके लिए हमें पूरी तेजी से काम करना चाहिए।

> “ भारत ने एस-400 नाम का मिसाइल सुरक्षा कवच रूस से लिया है। अभी कुछ और की आपूर्ति होनी है। वास्तव में, हमें अपना पुख्ता मिसाइल सुरक्षा कवच विकसित करना चाहिए। ताजा सूचना है, युद्ध में लगा रूस अब भारत की जरूरतों पर भी ध्यान देगा।

नजरिया

जब कारगिल से हमने दुश्मन को खदेड़ा

मोहन भण्डारी, लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड)

वह 7 मई, 1999 की दोपहर थी, जब नई दिल्ली स्थित मिलिट्री ऑपरेशन्स (एमओ) निदेशालय से मेरे डायरेक्टर का फोन आया और मुझसे कहा गया कि जैसे ही हम पालम उतरें, चीफ को लेकर सीधे ऑपरेशन रूम में पहुंच जाएं। उस वक्त मैं चीफ के साथ एक मिशन के लिए नाल-बीकानेर एयरफील्ड पर था। इस फोन की सूचना मैंने तुरंत चीफ को दी और करीब सात बजे हम एमओ निदेशालय पहुंच गए, जहां डीजीएमओ ने काली डंगरी पहने लोगों द्वारा घुसपैठ की खबर दी और बताया कि यल्दोर सब-सेक्टर में बंजू व कुकरथांग के पास हमारी सुरक्षा पंक्ति के सामने की चट्टानों से कुछ रेडियो एंटिना को बाहर निकले देखा गया है।

बाद में, जब कारगिल के सभी सब-सेक्टरों में घुसपैठ की सूचना आई, तो स्पष्ट हो गया कि पाकिस्तान के तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ ने एक सुनियोजित सैन्य कार्रवाई की है। जैसे-जैसे चीजें साफ होती गईं, यह भी पता चलने लगा कि इस दुस्साहस में पाकिस्तानी फौज की कुल 14 नियमित टुकड़ियां शामिल हैं। साथ ही, पाकिस्तानी तोप की 35 टुकड़ियां और अत्याधुनिक हथियारों का भी इसमें इस्तेमाल किया गया है। जाहिर है, आईबी और रॉ दुश्मन के इस दुस्साहस की भनक पाने में विफल रहे थे। ऑपरेशन रूम में सुरक्षा मामलों से जुड़ी कैबिनेट समिति की बैठक में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा, जो होना था, हो गया, अब आगे की सुध लीजिए। लाहौर की अपनी ऐतिहासिक बस यात्रा के बाद वह पाकिस्तान द्वारा पीठ में इस तरह छुरा घोंपने से परेशान दिख रहे थे। बैठक समाप्त होते-होते मेरी टीम जवाबी योजनाएं बनाने में जुट गई। मैं कारगिल के लिए रवाना हो गया।

पाकिस्तान ने फ्रंटियर कॉर्प्स नॉर्दर्न आर्मी (एफ्सीएनए) के जवानों का इस्तेमाल किया था, जो यहां के हालात से वाकिफ थे। भारतीय सेना को भ्रमित करने के लिए कि यह घुसपैठ मुजाहिदीन द्वारा की गई है, कुछ आतंकियों ने पाकिस्तानी सिग्नल का इस्तेमाल करके बलती, शिना, दार्दी और कुछ अन्य स्थानीय बोलियों में बातें की थीं। वे शुरुआत में अपने मकसद में सफल भी हुए। मगर जल्द ही हमारी खुफिया एजेंसियों ने मुशर्रफ, जो तब चीन में थे और रावलपिंडी में मौजूद उनके चीफ ऑफजनरल स्टाफकी टेलीफोन पर हुई एक बातचीत पकड़ ली, जिसमें वे दोनों कारगिल में पाक ऑपरेशन के बारे में चर्चा कर रहे थे। जाहिर है, इससे पाकिस्तान बेनकाब हो गया और पूरी दुनिया को पता चल गया कि भारतीय सीमा में दाखिल ये घुसपैठिए पाकिस्तानी सैनिक हैं, जो 12,000 से 18,000 फीट की ऊंचाई पर तीन से नौ किलोमीटर तक अंदर आ चुके हैं। हालांकि, एक अन्य कैबिनेट बैठक में हमने यही फैसला लिया कि भारतीय सेना नियंत्रण रेखा पार नहीं करेगी, जिसकी प्रशंसा पूरी दुनिया ने की।

यल्दोर में भारतीय सीमा में करीब 300-350 पाकिस्तानी सैनिक आ गए थे, द्रास में 200-230, काकसर में लगभग 100 और मुश्कोह घाटी में 150-210। इस प्रकार उनकी कुल संख्या 900-950 थी। प्रधानमंत्री को बताया गया कि पहले द्रास से घुसपैठियों को बाहर निकाला जाएगा, फिर बटालिक, काकसर और अंत में मुश्कोह से। पाकिस्तानी सेना का मकसद सबसे पहले छद्म युद्ध के लिए घाटी से रिजर्व भारतीय फौज को बुलाना था, फिर जोजी ला-लेह सड़क को काटना, तीसरा, दुष्प्रचार और मनोवैज्ञानिक दांव खेलना और चौथा, कश्मीर विवाद पर दुनिया का ध्यान खींचना।

अत्यधिक ऊंचाई वाले इलाकों में कोई आक्रामक अभियान चलाना एक बड़ी चुनौती होती है। हालांकि, काउंटर इंसर्जेंसी ग्रिड में सैनिकों की तैनाती वरदान साबित हुई, क्योंकि हमारे पास युद्ध के लिए जवान तैयार थे। कई जगहों पर और कई तरीकों से हमले की तैयारी की गई, क्योंकि इसमें दुश्मनों का संसाधन व ध्यान भटकाया जा सकता था और उनको अपनी कार्रवाइयों से चौंकाया जा सकता था। अलग-अलग दिशाओं से किया गया हमला प्वॉइंट 5140, टोलोलिंग, टाइगर हिल, प्वॉइंट 4875, स्टैंगबा और खालूबार रेंज में खासा सफल साबित हुआ। जूनियर लीडरशिप ने काफी बहादुरी दिखाई। तमाम स्तरों पर उच्च कमांडरों के साहसिक फैसलों और तोपखाने की भूमिका को भी कमतर नहीं माना जा सकता। वायु सेना ने तो अद्वितीय भूमिका निभाई। 23,000 फीट और उससे भी अधिक ऊंचाई पर स्थित दुश्मनों के बंकरों को निशाना बनाना उनकी दक्षता को दर्शाता है। मुन्थो ढालो स्थित प्रशासनिक व रसद बेस खत्म करने से दुश्मन के लड़ने की क्षमता काफी कम हो गई।

हमारे लिए भी प्रशासनिक जिम्मेदारी और रसद की नियमित आपूर्ति एक बड़ी चुनौती थी, जिसको हमारे सैनिकों ने तमाम मुश्किलों को झेलते हुए बनाए रखा। हताहतों को तेजी से वहां से हटाया जाता। जबकि, किसी पेशेवर सेना के विपरीत, पाकिस्तानी फौज अपने 249 मृतकों व घायलों को छोड़कर भाग खड़ी हुई। उसने केवल पांच शवों को स्वीकार किया, जिनमें टाइगर हिल पर मारे गए 12 एनएलआई बटालियन के कैप्टन करनाल शेर का शव भी शामिल था।

9 जुलाई को नवाज शरीफ को हमारे प्रधानमंत्री कार्यालय से एक संदेश भेजा गया कि वह 11 जुलाई को वाघा बॉर्डर पर डीजीएमओ भेजें। हमारे डीजीएमओ के साथ मैं भी वहां गया और देखा कि मेजर जनरल तौरीक जिया (पाक डीजीएमओ) नि:शब्द बैठे थे। इस बैठक में भारतीय डीजीएमओ ने स्पष्ट निर्देश दिया कि वे नियंत्रण रेखा से 100 मीटर पीछे हट जाएं और पीछे हटते समय सभी क्षेत्रों को साफ करें, बारूदी सुरंगें न बिछाएं। यह अगले 72 घंटों में पूरा किया जाना था, लेकिन अपनी आदत से मजबूर पाकिस्तानी फौज ने बात नहीं मानी। अब हमारे पास उन्हें खदेड़ने के सिवाय कोई विकल्प नहीं था। अंतत: 25 जुलाई की सुबह तक दुश्मन के सभी प्रतिरोधों को नाकाम करते हुए इलाके को साफ करा दिया गया। दोपहर तक प्रधानमंत्री को यह सूचना दी गई और फिर वाजपेयी साहब ने सद्भावना का परिचय देते हुए एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा कर दी। यदि पाकिस्तान ने भारतीय डीजीएमओ के निर्देशों का पालन किया होता, तो 16 या 17 जुलाई को ही युद्ध समाप्त हो गया होता।

ऑपरेशन विजय क्या था? एक युद्ध, एक क्लासिकल सीमित युद्ध, एक सशस्त्र संघर्ष या फिर कुछ और? आश्चर्य की बात थी कि दोनों सेनाएं भयंकर रूप से आमने-सामने थीं, लेकिन दोनों देशों में राजनयिक संबंध कायम थे। वैसे, पाकिस्तान के लिए सन्1947-48 के जम्मू-कश्मीर युद्ध, साल 1965 और 1971 की जंग के बाद यह एक और करारी हार थी। मैं अपनी जीत के लिए भारतीय सशस्त्र सेनाओं के प्रति श्रद्धा से शीश झुकाता हूं!

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

शिक्षित होना ही काफी नहीं है...

सुनील दास

आम तौर पर माना जाता है कि अच्छी जिंदगी के लिए शिक्षा जरूरी है। शिक्षित आदमी ही अपना, परिवार,समाज व देश का भला बुरा समझ सकता है। आदमी शिक्षित है तो उसे नौकरी तो मिल ही जाएगी। शिक्षा के लिए स्कूल कॉलेजों की अब कोई कमी नहीं है देश में इसलिए हर साल करोड़ों शिक्षित बेरोजगार बढ़ जाते हैं यानी हर साल देश व राज्यों में बेरोजगारों की संख्या बढ़ती चली जाती है। सारे पढ़े लिखे लोग सरकारी नौकरी ही चाहते हैं और सरकारी नौकरी कम होने के कारण केंद्र व राज्य सरकार इनको नौकरी नहीं दे सकते। सरकारी नौकरी कम होने से भी अब सबकों सरकारी नौकरी मिलती नहीं है।बेरोजगारी गंभीर समस्या हो चुकी है। इसका समाधान जरूरी हो गया है। हर राजनीतिक दल चुनाव में इसे बड़ा मुद्दा बनाता है इससे राजनीतिक दलों को चुनाव में फायदा भी होता है और नुकसान भी होता है।

पिछले लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया और उसका उसे कुछ फायदा भी हुआ। सरकार को बेरोजगारी के मुद्दे पर ज्यादा नुकसान तो

नहीं हुआ लेकिन मोदी सरकार को यह बात समझ में आ गई कि देश का तेजी से विकास करना ही काफी नहीं है यदि विकास के साथ देश के युवा लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है। देश विश्व की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और देश के युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है तो ऐसी तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था किस काम की है। यदि देश में शिक्षित युवाओं की आबादी बढ़ रही है और उनको रोजगार के लायक नहीं माना जाता है तो ऐसे शिक्षित बेरोजगार देश व परिवार के लिए बोझ बन जाते हैं। देश को अब ऐसे विकास की जरूरत है जिससे साथ साथ ही रोजगार भी पैदा हो। साथ ही देश को ऐसे शिक्षित बेरोजगारों की जरूरत है जितको कोई काम आता हो। देश की अर्थव्यवस्था में बदलाव 1990 में किया गया. तब भी बेरोजगारी समस्या थी, तब माना गया था कि देश जैसे जैसे विकास करेंगा, बेरोजगारी की समस्या भी हल होती जाएगी यानी लोगों को ज्यादा रोजगार भी मिलेगा। लेकिन तीन दशक बाद ही देश के लोगों का यह एहसाल होने लगा था कि अब जो विकास हो रहा है, वह रोजगार पैदा करने वाला विकास नहीं है। यानी विकास व रोजगार का कोई सीधा संबंध नहीं रह गया ,था क्योंकि जितने लोगों को रोजगार मिलना चाहिए, उतने लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा था। नई नई तकनीक हर क्षेत्र में आने से भी रोजगार के अवसर कम होते गए हैं। नई नई मशीने आ जाने से अब रोजगार के लिए जरूरी हो गया कि हर तरह की मशीन पर काम करना आता है तो रोजगार मिलेगा। हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था आजादी के सात दशक बाद भी युवाओं को डिग्री देने वाली है,काम के लायक बनाने वाली नही है। वर्तमान में डिग्री वाले युवा को नौकरी भले न मिले लेकिन जिसे कोई काम आता है उसे नौकरी जरूर सरकारी नहीं तो निजी क्षेत्र में नौकरी मिल जाती है। अब तो यह कहा जाता है कि नौकरी तो बहुत है लेकिन नौकरी के लायक युवा नहीं है। अब नौकरी के लिए स्किल जरूरी है। स्किल है तो अवसर मिलना चाहिए।

वक्त को देखते हुए मोदी सरकार ने पहली बार रोजगार की दिशा में बजट में पांच ऐसी योजनाओं की घोषणा की है जिससे युवाओं को नौकरी के लिए जिस तरह के प्रशिक्षण की जरूरत है, वह संस्थाओं में दिया जाएगा। इसकी शुरुआत तो देश में हो गई थी लेकिन प्रशिक्षित लोगों को काम नहीं मिल रहा था तो सरकार को इस बात का एहसास हुआ कि युवाओं को प्रशिक्षण के साथ ही सरकारी सहित निजी कंपनियों में काम करने व काम सीखने का अवसर मिलना चाहिए। किसी सरकार ने कभी कोशिश नहीं की इसलिए निजी क्षेत्र इसके लिए तैयार नहीं हुआ। मौदी सरकार ने देश की पांच सौ बड़ी कंपनियो से युवाओं को काम करने देने व काम सिखाने के लिए बात की है। इसके लिए सरकार ने युवाओं को पैसे देने के साथ ही कंपनियों को भी आथिक सहयोग देने का फैसला किया है।

इससे आने वाले दिनों में देश में जितना विकास होगा, उसके साथ साथ रोजगार के अवसर भी पहले से ज्यादा होंगे क्योंकि देश में पहली बार विकास से रोजगार को सीधे जोड़ने की कोशिश की गई है। मोदी सरकार जिस तरह से भी देश में रोजगार को बढ़ावा मिल सकता है, उस तरह से बढावा देने जुटी हुई है।रोजगार के लिए युवाओं को जिस तरह का सहयोग चाहिए मोदी सरकार मुहैया कराने का प्रयास करती रही है। इस बार के बजट में भी ऋण से लेकर हर तरह के सहयोग देने की घोषणा की गई है।

(ये लेखक के विचार हैं)

एक पेड़ माँ के नाम: धरती मां को हरा-भरा बनाने चल रहा अभियान

डॉ. दानेश्वरी संभाकर, सहायक संचालक

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि हम सबके जीवन मां का दर्जा सबसे ऊंचा होता है, मां हर दु:ख सहकर भी अपने बच्चों का पालन पोषण करती है, हर मां अपने बच्चों पर हर स्नेह लुटाती जन्मदात्री मां का यह प्यार हम सब पर एक कर्ज की तरह होता है जिसे कोई चुका नहीं सकता। प्रधानमंत्री मोदी का सोचना है कि अब हम मां को कुछ दे तो सकते नहीं लेकिन और कुछ कर सकते हैं। इसी सोच में इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस पर एक विशेष अभियान शुरू किया गया है इस अभियान का नाम है ''एक पेड़ मां के नाम''।

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने (5 जून) को बुद्ध जयंती पार्क, नई दिल्ली में पीपल का पौधा लगाकर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान की शुरुआत की। प्रकृति के पोषण के लिए धरती माता और मानव जीवन के पोषण के लिए हमारी माताओं के बीच समानता दर्शाते हुए पीएम मोदी ने दुनिया भर के लोगों से अपनी माँ के प्रति प्रेम, आदर और सम्मान के प्रतीक के रूप में एक पेड़ लगाने और धरती माता की रक्षा करने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

केंद्र और राज्य सरकार के विभाग भी 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के लिए सार्वजनिक स्थानों की पहचान करेंगे। गौरतलब है कि इस बार विश्व पर्यावरण दिवस की थीम भूमि क्षरण को रोकना और उलटना, सूखे से निपटने की क्षमता विकसित करना और मरुस्थलीकरण को रोकना का मुख्य उद्देश्य है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर के अटल नगर स्थित जैव विविधता पार्क में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ पीपल के पौधे का रोपण कर किया। इस अभियान के तहत वन विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ में 4 करोड़ वृक्ष लगाये जाएंगे। इस अभियान में स्कूली बच्चे, आम नागरिक और जनप्रतिनिधि भी उत्साह के साथ हिस्सा ले रहे हैं। शासकीय, अशासकीय संस्थाओं और समितियों द्वारा पौधारोपण जोर-शोर से किया जा रहा है।

पेड़ का महत्व

पेड़ लंबे समय तक प्रदूषण मुक्त वातावरण की कुंजी हैं क्योंकि वे ऑक्सीजन प्रदान करने, हवा की गुणवत्ता में सुधार, जलवायु सुधार, जल संरक्षण, मिट्टी संरक्षण और वन्य जीवन का समर्थन करने के लिए जिम्मेदार हैं। इन सभी कारणों से वर्तमान परिदृश्य में वृक्षारोपण आवश्यक हो गया है क्योंकि प्रदूषण चरम पर है। कुछ हद तक प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए वृक्षारोपण ही एकमात्र उपाय है। पेड़ों के बिना, पृथ्वी पर जीवन नहीं होता। पेड़-पौधे कई तरह से पर्यावरण को स्वस्थ रखने में बहुत योगदान देते हैं।

मार्च 2025 तक 140 करोड़ पेड़ लगाने की योजना

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के साथ इस साल सितंबर तक 80 करोड़ और मार्च, 2025 तक 140 करोड़ पेड़ लगाने की योजना बनाई गई है। इसके लिए ''संपूर्ण सरकार'' और ''संपूर्ण समाज'' नीति का पालन किया जाएगा। ये पेड़ पूरे देश में व्यक्तियों, संस्थाओं, समुदाय आधारित संगठनों, केंद्र और राज्य सरकार के विभागों और स्थानीय निकायों द्वारा लगाए जाएंगे।

(ये लेखक के विचार हैं)

महानगरों में बढ़ता जानलेवा प्रदूषण गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी चर्चित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका लासेंट के हाल के अध्ययन में वायु प्रदूषण की बढ़ती विनाशकारी स्थितियों के आंकड़े न केवल चौंकाने वाले है बल्कि अत्यंत चिन्तातनक है। भारत के दस बड़े शहरों में हर दिन होने वाली मौतों में सात फीसदी से अधिक का मुख्य कारण हवा में व्याप्त प्रदूषण है। वहीं दुनिया में सबसे प्रदूषित राजधानी दिल्ली में यह आंकड़ा साढ़े ग्यारह प्रतिशत है। भारत के महानगरों में वायु प्रदूषण के रूप में पसर रही मौत के लिये सरकार एवं उनसे संबंधित एजेंसियों की लापरवाही एवं कोताही शर्मनाक है, क्योंकि सरकार द्वारा 131 शहरों को आवंटित धनराशि का महज 60 फीसदी ही खर्च किया जाता है। गंभीर से गंभीरतर होती वायु प्रदूषण की स्थितियों के बावजूद समस्या के समाधान में कोताही चिन्ता में डाल रही है एवं आम जनजीवन के स्वास्थ्य को चौपट कर रही है। महानगरों में प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसों पर छाये संकट से जूझ रहे हैं।

केंद्र सरकार ने वायु प्रदूषण एवं हवा में घुलते जहरीले तत्वों की चुनौती के मुकाबले के लिये राष्ट्रीय वायु स्वच्छता कार्यक्रम के क्रियान्वयन की घोषणा 2019 में की थी। जिसका मकसद था कि खराब हवा के कारण नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को कम किया जा सके। सरकार की कोशिश थी कि देश के चुनिंदा एक सौ तीस शहरों में वर्ष 2017 के मुकाबले वर्ष 2024 तक घातक धूल कणों की उपस्थिति को बीस से तीस फीसदी कम किया जा सके। लेकिन विडम्बना है कि तय लक्ष्य हासिल नहीं हो सके। महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान को निरन्तर जीवन का हिस्सा बनाना होगा। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फैंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को विराम देना जरूरी है। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने की दिशा में गत दो-तीन साल में कई पायदान हम ऊपर चढ़े हैं, एक सकारात्मक वातावरण बना। लेकिन पटाखों से ज्यादा खतरनाक हैं पराली का प्रदूषण। पराली आज एक राजनीतिक प्रदूषण बन चुका

है। दिल्ली एवं पंजाब में एक ही दल ही सरकारें है, दूसरों पर आरोप लगाने की बजाय क्यों नहीं आम आदमी पार्टी की सरकार समाधान देती।

प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता। इसके लिये शहरों में वृक्षारोपण करके हरियाली का दायरा बढ़ाना, कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन, इलेक्ट्रानिक वाहनों को प्रोत्साहन तथा इन वाहनों के लिये चार्जिंग स्टेशन बनाने जैसे प्रयास करने के सुझावों का क्रियान्वित करने की अपेक्षा है, इसके लिये जो कार्यक्रम प्रदूषण से ग्रस्त चुनिंदा शहरों में चलाया जाना था, लेकिन स्थानीय प्रशासन की तरफ से इस दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया। जिससे समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। इसी कारण देश के अधिकांश शहर गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। लेकिन स्थानीय निकायों व प्रशासन ने संकट की गंभीरता को नहीं समझा। इस दिशा में अपेक्षित सक्रियता नजर नहीं आई। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रहे महानगरों को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? प्रशासन अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभा पा रही है?

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये सक्रिय है, केंद्रीय पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने भी प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये करीब साढ़े दस हजार करोड़ रुपये की राशि आवंटित की थी। लेकिन विडम्बना है कि पर्याप्त फण्ड होने के बावजूद सिर्फ साठ फीसदी राशि ही इस मकसद के लिये खर्च की गई। वहीं सत्ताईस शहरों ने बजट का तीस फीसदी ही खर्च किया। कुछ शहरों ने तो इस मकसद के लिये आवंटित धन का बिल्कुल उपयोग नहीं किया। कैसे समस्या से मुक्ति मिलेगी? जीवाश्म ईंधन के उपयोग, सड़कों पर निरंतर बढ़ते पेट्रोल-डीजल वाहन, सार्वजनिक यातायात की बदहाली व कचरे का ठीक से निस्तारण न होने से वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लक्ष्य हासिल करना जटिल होता जा रहा है। अब समस्या की विकरालता को देखते हुए केंद्र सरकार इस दिशा में नये सिरे से गंभीरता से पहल कर रही है, जिससे प्रदूषित शहरों को दी जाने वाली राशि का यथा समय अधिकतम उपयोग हो सके। पराली की समस्या को हल करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से 1347 करोड़ रुपये और उपकरण दिए गए। अगर इस पर राजनीति करने की जगह ईमानदारी से काम होता तो प्रदूषण को कम करने की दिशा में हम कुछ कदम बढ़े होते।

वायु प्रदूषण एक जाना-पहचाना पर्यावरणीय स्वास्थ्य खतरा है। हम जानते हैं कि हम क्या देख रहे हैं जब भूरे रंग की धुंध शहर के ऊपर छा जाती है, व्यस्त राजमार्ग पर धुआँ निकलता है या धुएँ के ढेर से धुआँ निकलता है। वायु प्रदूषण मानव निर्मित और प्राकृतिक दोनों स्रोतों से उत्पन्न खतरनाक पदार्थों का मिश्रण है। वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन, घरों को वातानुकूलित करने के लिए ईंधन तेल और प्राकृतिक गैस, एसी का उपयोग, विनिर्माण और बिजली उत्पादन के उप-उत्पाद, विशेष रूप से कोयला-ईंधन वाले बिजली संयंत्र, और रासायनिक उत्पादन से निकलने वाले धुएं मानव निर्मित वायु प्रदूषण के प्राथमिक स्रोत हैं। बढ़ता प्रदूषण वैश्विक स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए एक बड़ा खतरा है। वायु प्रदूषण सभी रूपों में, हर साल दुनिया भर में 6.5 मिलियन से अधिक मौतों के लिए जिम्मेदार है यह संख्या पिछले दो दशकों में बढ़ी है। भारत के महानगरों में यह अधिक विकराल होती जा रही है। उच्च वायु प्रदूषण से संबंधित सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंताओं में कैंसर, हृदय रोग, श्वसन रोग, मधुमेह, मोटापा, तथा प्रजनन, तंत्रिका संबंधी और प्रतिरक्षा प्रणाली संबंधी विकार शामिल हैं।

वायु प्रदूषण बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए विशेष रूप से खतरनाक होने लगती है। महानगरों की हवा में उच्च सांद्रता है, जो बच्चों को सांस की बीमारी और हृदय रोगों की तरफ धकेल रही है। शोध एवं अध्ययन में यह भी पाया गया है कि दिल्ली जैसे महानगरों में रहने वाले 75.4 फीसदी बच्चों को घुटन महसूस होती है। 24.2 फीसदी बच्चों की आंखों में खुजली की शिकायत होती है। सर्दियों में बच्चों को खांसी की शिकायत भी होती है। बुजुर्गों का स्वास्थ्य तो बहुत ज्यादा प्रभावित होता ही है। हवा में कैडमियम और आर्सेनिक की मात्रा में वृद्धि से कैंसर, गुर्दे की समस्या और उच्च रक्तचाप, मधुमेह और हृदय रोगों का खतरा बढ़ जाता है। 300 से अधिक एक्यूआई वाले शहरों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। राष्ट्रीय राजधानी सहित अनेक महानगर क्षेत्र में रहने वाले सांस के रूप में जहर खींचने को क्यों विवश है, इसके कारणों पर इतनी बार चर्चा हो चुकी है कि उन्हें दोहराने की आवश्यकता नहीं। निस्संदेह, राज्यों के शासन व स्थानीय प्रशासन के वायु प्रदूषण को लेकर उदासीन रवैये से नागरिकों के जीवन का संकट बरकरार है। सर्वविदित तथ्य है कि न तो सरकारों के पास पर्याप्त संसाधन हैं और न ही ऐसा विशिष्ट कार्यबल। नागरिकों की जागरूकता व जवाबदेही बढ़ाकर वायु प्रदूषण पर नियंत्रण किया जा सकता है। इस विषम एवं ज्वलंत समस्या से मुक्ति के लिये प्रशासन एवं सरकारों को संवेदनशील एवं अन्तर्दृष्टि-सम्पन्न बनना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

रमन (प्रा.) आई.टी.आई.
Recognised by: NCVT & DGT NEW DELHI, GOVT. OF INDIA
COPA
कोपा
STENOGRAPHER (Hindi)
स्टेनोग्राफर (हिन्दी)

योग्यता 10वीं उत्तीर्ण
(एक वर्षीय पाठ्यक्रम) - प्रवेश प्रारंभ
प्रवेश लेने पर फीस में विशेष छूट
एवं फीस मासिक किस्तों में
शासन द्वारा प्रदत्त छात्रवृत्ति योजना
Raman I.T.I. : बाबा दीप सिंह नगर (वैशालीनगर), भिलाई, जिला-दुर्ग, छ.ग.
Call : 0788-4033571, 7389471941, 0788-4903573 4903572, 7773027492

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-
• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET
हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

टाउनशिप में आवारा मवेशियों के नियंत्रण हेतु की जा रही है कार्यवाही

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग के प्रवर्तन अनुभाग द्वारा निरन्तर अवैध कब्जा हटाने, अवैध बैनर पोस्टर हटाने तथा यातायात को सुगम बनाने हेतु आवारा मवेशियों पर नियंत्रण का कार्य जारी है। साथ ही साथ भिलाईवासियों के स्वास्थ्य के प्रति सजग बीएसपी द्वारा डेंगू के विरूद्ध सघन अभियान भी प्रगति पर है। आवारा मवेशियों को नियंत्रित करने हेतु चलाए जा रहे इस अभियान के अंतर्गत भिलाई इस्पात संयंत्र के नगर सेवाएँ विभाग के प्रवर्तन अनुभाग द्वारा टाउनशिप के विभिन्न स्थानों से 24 जुलाई 2024 को 11 आवारा मवेशियों को पकड़कर उन्हें कोसानगर गौठान भेजा गया। 25 जुलाई 2024 को भी यह कार्यवाही जारी रही। बरसात के मौसम में आवारा मवेशी अक्सर हरी घास की तलाश में टाउनशिप की सड़कों की ओर रुख कर लेते हैं। इससे सड़कों पर आवारा मवेशियों की बढ़ती संख्या ने यातायात के लिए गंभीर खतरा पैदा कर दिया है।

76 ग्रामीणों ने उठाया निःशुल्क चिकित्सा शिविर का लाभ

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग (सीएसआर) द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों एवं खदान क्षेत्रों में किया जाता है। इसी कड़ी में 24 जुलाई 2024 को आदर्श इस्पात ग्राम पंहडोर में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। ग्राम पंहडोर में आयोजित चिकित्सा शिविर में चिकित्सक डॉ निशि मिंज, बीपी, शुगर एवं रक्त जांच हेतु रेखा देव, फार्मासिस्ट एस बी राय, पंजीयन हेतु मंजूर अली तथा सीएसआर विभाग से श्रीमती रजनी रजक उपस्थित थी। प्रात: 10 बजे से प्रारंभ हुए शिविर में कुल 76 लोगों की जांच कर उन्हें नि:शुल्क दवाएं प्रदान की गई। भिलाई इस्पात संयंत्र अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की नि:शुल्क जाँच की सुविधा काफी लंबे समय से उपलब्ध कराता आ रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्र में रहने वाले लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग द्वारा सामाजिक उत्तरदायित्वों का निर्वहन करते हुए निरन्तर स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, संयंत्र के परिधीय क्षेत्रों तथा खनि नगरियों में किया जा रहा है।

मरीजों के लिए पिछले 15 वर्षों से रक्तदान-महादान कर रहे है जितेश जैन

दुर्ग। जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में मरीजों के लिए रक्त की कमी को दूर करने लगातार रक्तदाता सामने आ रहे है। इस कड़ी में युवा जितेश जैन ने रक्तदान कर महादान का संदेश दिया। यह रक्तदान उन्होने श्रीमती मोनिका के नवजात शिशु के लिए दिया है। जितेश जैन पिछले 15 वर्षों से जरुरतमंदो के लिए रक्तादान कर मानव सेवा में अपने दायित्वों का निर्वहन कर रहे है। उनका रक्त ग्रुप ए नेगेटिव है। यह रक्तदान श्री जैन ने जिला अस्पताल ब्लड बैंक के नोडल अधिकारी डॉ. प्रवीण अग्रवाल एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के प्रबंधकारिणी सदस्य व जीवनदीप समिति आजीवन सदस्य दिलीप ठाकुर के मार्गदर्शन में किया। उनके रक्तदान करने पर जीवनदीप समिति सदस्य प्रशांत डोंगावकर ,सतीश सुराना एवं चिकित्सकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनका हौसला बढ़ाया। रक्तदान शिविर में ब्लड बैंक की नर्सिंग ऑफ्सिर सती गुप्ता,काउंसलर एंथोनी, लैब इंचार्ज रूपेश सरपे,लैब टेक्नीशियन दिनेश,तीरथ, निगार, कौशल,हिमांशु,माला प्रशिक्षणार्थी गोवर्धन, डेमन, भारती,वीणा, प्राची ने सेवाएं दी।

शहीद कौशल यादव की शहादत को देश और भिलाई हमेशा याद रखेगा- देवेंद्र यादव

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। आज कारगिल विजय दिवस है. स्वतंत्र भारत के सभी देशवासियों के लिए एक बहुत ही महत्वपूर्ण दिवस है। भारत में प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को यह दिवस मनाया जाता है।

हमारे देश के वीर जवानो की कुर्बानियों को याद किया जाता है. इसी कड़ी में वीर चक्र से सम्मानित शहीद कौशल यादव जी के स्मरण दिवस में उन्हें बड़े ही आदर भाव सम्मानपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की. भिलाई नगर के युवा विधायक देवेंद्र यादव वीर शहीद जवान भिलाई छत्तीसगढ़ के बेटे शहीद कौशल यादव जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण किए. उनकी शहादत को प्रणाम किया. उनकी देश भक्ति और सर्वोच्च बलिदान को याद किए। शहीद कौशल यादव ने कारगिल युद्ध के दौरान देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देकर भारत मां की रक्षा की. उनका बलिदान भिलाई और देश के युवाओं के हृदयों में देश प्रेम की ज्वाला भरता रहेगा. उनकी शहादत को देश कभी नहीं भूल पायेगा. इस दौरान मौके पर शादीद कौशल यादव की माँ भी उपस्थिति रही. जिनका चरण छूकर विधायक श्री यादव ने प्रणाम किया। उनका कुशल क्षेम जाना. हर साल विधायक देवेंद्र यादव यहाँ आते है, पुष्प अर्पित करते है। गौरतलब है कि इस दिन भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच वर्ष 1999 में कारगिल युद्ध हुआ था जो लगभग 60 दिनों तक चला और 26 जुलाई के दिन उसका अंत हुआ और इसमें भारत विजय हुआ। कारगिल विजय दिवस युद्ध में शहीद हुए भारतीय जवानों के सम्मान हेतु यह दिवस मनाया जाता है।

विजय मशाल रैली निकालकर वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी

भिलाई। भारतीय जनता युवा मोर्चा राष्ट्रीय व प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर युवा मोर्चा, जिला भिलाई के द्वारा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अमित मिश्रा के नेतृत्व में कारगिल विजय दिवस की 25 वी वर्षगांठ के उपलक्ष्य में विजय मशाल रैली निकाल कर वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई। मशाल रैली ग्लोब चौक से आरंभ करते हुए, बेरोजगार चौक, वहां से हरिराज होटल होते हुए अर्जुन रथ पार्क, सिविक सेंटर,सेक्टरद्व6 में कार्यक्रम का समापन हुआ मशाल रैली के दौरान भारत माता की जय, शहीद कौशल यादव अमर रहे, शहीद जवान अमर रहे .. जैसे गगनभेदी नारे लगते रहे! कार्यक्रम में भारत माता और सेना के जवान के रूप में बच्चो ने भी उपस्थित दी! प्रमुख रूप से भाजयुमो राष्ट्रीय महामंत्री वैभव सिंह जी, भाजयुमो प्रदेश महामंत्री जी और भाजपा जिला अध्यक्ष महेश वर्मा जी उपस्थित रहें राष्ट्रीय महामंत्री वैभव सिंह ने कहा की भारतीय जनता युवा मोर्चा राष्ट्रवादी विचारधारा को लेकर आगे बढ़ती है, इस तरह शहीद जवानों को सम्मान देकर उन्हें नमन करने का ऐसा कार्यक्रम भाजपा ही कर सकती है।

भारी बारिश के चलते निचली बस्तियों के लोग कर रहे रतजगा, स्वास्थ्य विभाग व नगर निगम रहे अलर्ट : वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग-भिलाई समेत आसपास के क्षेत्रों में बीते कुछ दिनों से लगातार रुक-रुककर बारिश हो रही है। जिसके चलते शहर के मुख्य बाजार इंदिरा मार्केट, समृद्धि बाजार सहित निचली बस्तियों के निवासी वर्षा से प्रभावित हो रहे है। घरों में गंदा पानी घुसने से रतजगा कर पानी निकालने हलाकान हो रहे है।

आउटर वाले वार्ड जहां नई बसाहट हुई है वहां की सडक़े नदियो में तब्दील हो गई। भारी बारिश के कारण इंदिरा मार्केट ट्रेनेज सिस्टम फेल हो गया है और बड़े नालो के आसपास रहने वालों के घरों में घुटने तक पानी मिल रही है। गौरतलब है कि पिछले कुछ दिनों से पानी गिरने से शिवनाथ नदी उफान के साथ ही जलसंकट की स्थिति भी निर्मित हुई है। सुबह-सुबह आमजनों की शिकायत पर पूर्व विधायक व वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा ने निचली बस्तियों का दौरा

किया व स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम व लोक निर्माण विभाग के अधिकारी जनमानस के लिए 24 घंटा मॉनिटरिंग करने कहा साथ ही जलजनित बीमारी से बचाव हेतु स्वास्थ्य अमला को सतकर्ता के साथ कार्य करने कहा। साथ ही जनता से अपील की है कि जल भराव की स्थिति में बाढ़ नियंत्रण कक्ष से संपर्क करें तथा सावधानी बरते और सुरक्षित स्थान पर रहें।

जेलों में किशोरों की पहचान करने और कानूनी सहायता प्रदान करने एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशन पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के तत्वाधान में एवं जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग डॉ0 प्रज्ञा पचौरी के मार्गदर्शन में नालसा की गाईड लाईन्स अनुसार जेलों में किशोरों की पहचान करने और कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए अखिल भारतीय अभियान 2024 के संबंध में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 24 जुलाई 2024 को दोपहर 2.00 बजे जिला न्यायालय, दुर्ग के सभागार स्थल पर आयोजित की गयी। जेलों में किशोरों की पहचान करने और कानूनी सहायता प्रदान करने के लिए अखिल भारतीय अभियान 2024 के संबंध आयोजित इस एक दिवसीय कार्यशाला में श्री जनार्दन खरे, प्रधान मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड, दुर्ग द्वारा कार्यशाला में उपस्थितजनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि बच्चे अपराधी नहीं होते बल्कि वे विधि के साथ संघर्ष करने वाले बालक/किशोर होते हैं। यदि कोई विधि से संघर्षरत बालक/किशोर किसी मामले के संज्ञान में आता है तो सर्वप्रथम यह देखना चाहिए कि वह 18 वर्ष से कम का है कि नहीं, इस हेतु सर्वप्रथम संबंधित बालक/किशोर के दसवीं की अंकसूची अथवा अन्य स्कूल के सर्टिफिक्रेट यदि ये न हो तो दाखिला खारिज नंबर तथा यह भी न हो तो कोटवार/नगर निगम में जन्म पंजीयन और अंत में यदि उक्त प्रमाण न मिले तो बोन टेस्ट कराना चाहिए। चूंकि उक्त कार्य में समय लगना संभावित हो तो उक्त संबंधित बालक/किशोर का रिमाण्ड लिया जा सकता है एवं विशेष किशोर पुलिस इकाई के उप पुलिस अधीक्षक द्वारा एक आवेदन अधीक्षक बाल सम्प्रेक्षण गृह को लिखकर संबंधित विधि से संघर्षरत बालक/किशोर को ष्बाल सम्प्रेक्षण गृह में रख सकते हैं व्यक्त करते हुए किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 की विस्तृत जानकारी देते हुए बालकों/विधि के साथ संघर्षरत बालक द्वारा कारित किये जाने वाले अपराध के संबंध में उक्त अधिनियम के तहत पुलिस की भूमिका के बारे में बताते हुए कार्यशाला में उपस्थित पुलिस कर्मचारियों के द्वारा पूछे गये विभिन्न प्रश्नों का विधिनुरूप समुचित उत्तर देते हुए उनकी शंकाओं का समाधान किया गया।

रिसार्स पर्सन श्री सुदर्शन महलवार चीफ लीगल एड डिफेंस कौंसिल सिस्टम दुर्ग ने अपने उद्बोधन में कहा कि जेल में यदि कोई बंदी चाहे वह सजायापता हो या विचाराधीन हो किसी भी परिस्थिति में यदि वह उम्र में 18 साल से कम का दिखता हो या वह स्वयं आकर 18 साल से कम का होने दावा करे तो उक्त संबंध में पुलिस की ड्यूटी होती है।

स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर मैदान में 150 कर्मी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। स्वच्छता सर्वेक्षण को लेकर रिसाली निगम रोड मैप तैयार किया है। पहले चरण में आयुक्त मोनिका वर्मा ने 150 कर्मचारियों की टीम को जागरूकता लाने मैदान में उतारा है। वहीं दूसरे चरण में अलग-अलग विधाओं में परांगत ब्रांड एंबेसडर सीधे आम लोगों से जुड़ेगे।

स्वच्छ और सुंदर हमर रिसाली की परिकल्पना को लेकर नगर पालिक निगम रिसाली की आयुक्त ने निगम के ब्रांड एंबेसडर से चर्चा की। आयुक्त ने सभी से आग्रह किया कि अपने शहर की विशेष पहचान बनाने सभी एक सूत्र में बंधकर कार्य करे। अलग-अलग विधाओं को लेकर स्वच्छता की अलख जगाए। रिसाली निगम के इस मुहिम को मूर्तरूप देने सभी ब्रांड एंबेसडर ने निगम प्रशासन को आश्वस्त किया। इस अवसर पर कार्यपालन अभियंता सुनील दुबे, शिक्षाविद सजीव सुधाकर, भजन एवं गजल गायक प्रभंजय चतुर्वेदी, लोकवाद्य संग्रहक रिखी क्षत्रिय, फिटनेस एक्सपर्ट प्रदीप साहू, पर्यावरण विद डॉ. नरेन्द्र राठौर, योग गुरू अशोक महेश्वरी, डॉ. विपिन अरोरा, कला मर्मज्ञ डॉ. डी.पी. देशमुख, कलाकार डॉ.सोनाली चक्रवर्ती, पंथी नर्तक पद्मश्री डॉ. राधेश्याम बारले, लोक गायीका रजीन रजक, डॉ. राखी राय उपस्थित थी।

ऐसे करे काम

मृत्युजंय साहू और पायल सिन्हा ने कर्मचारियों को बताया कि वे किस तरह घरों से निकलने वाले कचरें को पृथक करने जागरूकता ला सकते है। कर्मचारी स्वच्छता मित्र के साथ चले। प्रत्येक नागरिक को बताए कि किस तरह गीला कचरा घर पर पीट तैयार कर खाद बना सकते है। उन्होंने जगह नहीं होने पर गमला या अन्य पात्र लेकर उद्देश्य पूरा करने की जानकारी दी। इसके अलावा उन्होंने घनी आबादी स्लम क्षेत्र में संपर्क अभियान करने कहा।

बरसते पानी में दे रहे समझाईश

रिसाली निगम के 150 कर्मचारियों का दल अलग-अलग वार्डों में संपर्क अभियान पर है। बरसते पानी में वे आम लोगों को जानकारी दे रहे है कि किस तरह घरों में गीला व सूखा कचरा अलग रखे। साथ ही बारिश से होने वाले जल जनित रोगों के बचाव के तरीके भी बता रहे है।

शहर में वायु गुणवत्ता सुधार के लिए हुई बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के सभागार में दुर्ग जिले के अंदर वायु गुणवत्ता बेहतर हो इसके संबंध में भोपाल से आये पर्यावरण अधिकारी डॉ. वाय के शक्सेना द्वारा बैठक ली गई।

इसमें आयुक्त नगर निगम भिलाई, दुर्ग, रिसाली एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी जामुल, उतई, कुम्हारी, आई.आई.टी विभाग के प्रोफेसर, परिवहन एवं पर्यावरण विभाग के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। नगरीय निकाय क्षेत्रो में वायु की गुणवत्ता शासन के मानक अनुसार कैसे सुधारी जाये, इस पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होने बताया कि वायु गुणवत्ता खराब होने से स्वास्थ्य के उपर बहुत विपरित प्रभाव पड़ रहा है। विभिन्न प्रकार की बिमारियॉ वायु प्रदुषण के कारण हो रही है। हम केन्द्र सरकार द्वारा दिये दिशानिर्देशो के अनुसार कार्य करना होगा। प्रमुख रूप से इंड्रस्टियों से होने वाले प्रदुषण, गाड़ियो से निकलने वाले घुएँ, सड़क का डस्ट, सालिड वेस्ट, ध्वनि प्रदुषण आदि से वायु गुणवत्ता स्वास्थ्य मानक से कम हो रही है। जिसे रोकने के लिए हमे कड़ाई से पालन करना होगा। नगर निगम भिलाई द्वारा किये जा रहे वायु गुणवत्ता सुधार के लिए किये जा रहे उपायो का निरीक्षण करने मौके पर गये। निगम के वाहन शाखा जाकर रोड स्वीपिंग मशीन का निरीक्षण किये, उसके कमियों को बताये।

उल्लास नवभारत साक्षरता अभियान की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक सम्पन्न, अधिकारियों को दिए महत्वपूर्ण दिशा निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के विकासखंड मुख्यालय धमधा स्थित बी.आर.सी. भवन में विगत 24 जुलाई को संकुल प्राचार्यों एवं संकुल समन्वयकों के साथ विभिन्न विभागीय शैक्षिक कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विकासखंड में शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने के साथ-साथ जिला कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा शिक्षा में सुधार के लिये किये जा रहे प्रयासों को धरातल में पहुँचाने में विकासखंड के शिक्षकों को प्रेरित करने पर जोर दिया गया।

इस बैठक में उल्लास नवभारत साक्षरता में विकासखंड में बेहतर करने हेतु सुझाव दिए गए एवं संकुल प्राचार्यों एवं संकुल

समन्वयकों को जिम्मेदारी देते हुए जवाबदेही तय की गई।

उल्लास नवभारत साक्षरता से आशय: अप्रैल 2022 में, भारत सरकार ने उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम नामक एक पहल शुरू की, जिसका स्पष्ट लक्ष्य सभी के लिए शिक्षा है। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के दृष्टिकोण पर आधारित है और इसका उद्देश्य 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के साक्षर लोगों को बुनियादी साक्षरता (पढ़ना, लिखना और अंकगणित) के अलावा महत्वपूर्ण जीवन कौशल, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता, अधिकारों के बारे में जागरूकता, व्यावसायिक कौशल आदि प्रदान करना है।

इस योजना को उल्लास के नाम से जाना जाएगा, जो इस पहल के सार को दर्शाता है, क्योंकि इसका मतलब है श्समाज में सभी के लिए आजीवन शिक्षा को समझना।

उल्लास, अपने नाम की तरह, उन लोगों के जीवन में उत्साह और उल्लास की भावना लाता है जो साक्षरता की शक्ति से वंचित हैं। यह मानता है कि शिक्षा केवल एक लक्ष्य तक पहुँचने का साधन नहीं है, बल्कि एक आजीवन प्रक्रिया है जो व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों को सशक्त बनाती है।

धमधा विकासखंड को 11000 हज़ार असाक्षरों का लक्ष्य: जिले के कुल 30,000 हज़ार असाक्षरों को उल्लास योजना के तहत साक्षर करने का लक्ष्य है, जिसमें 11,000 का लक्ष्य धमधा विकासखंड को दिया गया है। विकासखंड में असाक्षरों का ऑनलाइन करने में आ रही समस्याओं का समाधान भी बैठक में किया गया।

दसवी एवं बारहवीं के मासिक टेस्ट अंक विनोबा एप में डाले जायेंगे: जिला शिक्षाधिकारी मिश्रा द्वारा बताया गया कि दसवी एवं बारहवीं में अध्ययनरत बच्चों का प्रति माह 24 तारीख से 30 के मध्य मासिक टेस्ट लेकर इन बच्चों के अंकों को विनोबा एप में अपलोड किया जायेगा एवं बच्चों की टेस्ट कॉपी को विद्यालय में सुरक्षित रखे जाने के निर्देश दिए गए। दसवी, बारहवी के बच्चे इसे प्रोजेक्ट के रूप में संभालेंगे और इस पर कार्यक्रम करेंगे। बैठक में उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की जिला नोडल पुष्पा पुरुषोत्तमन, विकासखंड शिक्षा अधिकारी कैलाश साहू, विकासखंड स्रोत समन्वयक महावीर वर्मा एवं जिला और विकासखंड स्तर के अन्य अधिकारी गण उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

वाटर कैनन का उपयोग प्रदर्शनकारियों को रोका गया

रायपुर। कांग्रेस पार्टी ने राज्य में कानून व्यवस्था और बिजली बिल के बढ़े दामों को लेकर विधानसभा घेराव का ऐलान किया था। बारिश के बावजूद पूरे प्रदेश भर से कांग्रेस के कार्यकर्ता पहुंचे हुए थे। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता विधानसभा मार्ग की ओर आगे बढ़े। पहले बैरिकेड्स को तोड़कर दूसरे बैरिकेड्स के पास पहुंचे। जिसके बाद कांग्रेसियों को रोकने पुलिस ने वाटर कैनन का उपयोग किया। हालांकि इससे पहले उन्हे बार-बार समझाइश देने के कोशिश भी पुलिस के अफ्सर करते रहे पर उग्र भीड़ मानने को तैयार ही नहीं थी। पानी की तेज बौछार से भीड़ तीतर बीतर हो गई। इसके पहले तय कार्यक्रम के मुताबिक़ कांग्रेस के विधानसभा घेराव का कार्यक्रम शुरू हुआ। बड़ी संख्या में कांग्रेसजन पंडरी, मोवा मार्ग से विधानसभा सड़क की तरफआगे बढने की कोशिश में जुटे रहे। कांग्रेस के इस प्रदर्शन के मद्देनजर पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतज़ाम किये हुए हैं। पुलिस ने पंडरी के पास मार्ग को डाइवर्ट करते हुए कई बैरिकेट्स भी लगाए थे। कार्यकर्ताओं को सुरक्षा जवानों के बीच झड़प भी हुई लेकिन किले के तरह मोर्चेबंदी भेदने में कांग्रेस नाकाम रहे।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए चल रही योजनाओं में जनभागीदारी करें सुनिश्चित - कलेक्टर

सूरजपुर। कलेक्टर रोहित व्यास के निर्देशानुसार जिले में शिशु संरक्षण माह का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आर.एस. सिंह एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ प्रिंस जायसवाल के मार्गदर्शन में जिले के सभी अस्पतालों में 09 माह से 05 वर्ष की आयु तक के बच्चों को विटामिन-ए तथा 06 माह से 05 वर्ष तक के आयु के बच्चों को आयरन फेलिक एसिड की दवा माह के प्रत्येक मंगलवार तथा शुक्रवार को 19 जुलाई से 23 अगस्त तक पिलाई जा रही है। इसके अलावा अति कुपोषित बच्चों को पहचान कर उन्हें पोषण पुनर्वास केन्द्र में भेजकर उन्हें पोषण आहार एवं व्यवहार की जानकारी दी जा रही है। अभियान दौरान 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को आंगनबाड़ी केन्द्रों में प्रात: 09 बजे से शाय 4 बजे तक प्रत्येक सप्ताह के मंगलवार एवं शुक्रवार को सेवा प्रदाय की जावेगी. अभी तक जिले में कुल 1141 बच्चों को विटामिन ए तथा 1039 बच्चों को आयरन फेलिक एसिड की दवा पिलाई जा चुकी है। इस कार्यक्रम की मॉनिटरिंग ब्लॉक, जिला एवं राज्य स्तर से किया जावेगा।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल के सवाल पर पीएमओ ने दिया जवाब

देश में कैंसर रोकथाम की दिशा में तेजी से हो रहा है काम

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार कैंसर के रोकथाम की दिशा में तेजी से काम कर रही है। देश में सभी उच्च मूल्य की कैंसर रोधी दवाओं के दामों में समूह समझौता के परिणामस्वरूप औसतन 82 प्रतिशत फीसदी की कमी आई है। यह कहना है रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल का।

दरअसल बृजमोहन अग्रवाल ने देश में उच्च गुणवत्ता वाली कैंसर केयर को लेकर लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कुछ जानकारी मांगी थी कि, जिसमे पूछा गया था कि, रोगियों को वहनीय लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली कैंसर-परिचयर्या सुनिश्चित करने, पिछले चार वर्षों के दौरान कैंसर-केयर के क्षेत्र में आरम्भ किए गए विशिष्ट अनुसंधान के परिणाम और राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड की कैंसर-केयर में भूमिका, इसके केंद्रों, अनुसंधान संस्थानों आदि की राज्य-वार सूची मांगी थी।

जिस पर राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पैशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि, परमाणु ऊर्जा विभाग के तत्वावधान में एक सहायता प्राप्त संस्थान टाटा स्मारक केंद्र 60:40 अनुपात मॉडल पर काम करते हुए किफायती लागत पर उच्च गुणवत्ता की कैंसर देखभाल प्रदान कर रहा है। जिसके तहत 60 प्रतिशत रोगी अत्यधिक आर्थिक सहायता पर इलाज या लगभग नि:शुल्क इलाज प्राप्त कर रहे हैं और 40 फीसदी काफी रियायती दरों पर इलाज करा रहे हैं। साथ ही कैंसर प्रबंधन के लिए स्रोत आधारित दिशानिर्देशों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना से जोड़ा गया है जिससे लाभार्थियों के लिए देखभाल सुविधा की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।

जितेंद्र सिंह ने पिछले चार वर्षों में कैंसर देखभाल के क्षेत्र में टीएमसी द्वारा शुरू किए गए विशिष्ट अनुसंधान परिणाम का विवरण भी प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि, अब तक 400 से अधिक ऑन्कोलॉजिस्ट प्रशिक्षित किए जा चुके हैं। टीएमसी द्वारा किए गए एक प्रमुख यादृच्छिक नियंत्रित परीक्षण (आरसीटी) से इलाज की दरों में 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जिससे प्रतिवर्ष 1 लाख लोगों की जान बचाने की आशा है।

बृजमोहन अग्रवाल के सवालों का जवाब देते हुए सिंह ने बताया कि, राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड अब 340 कैंसर केंद्रों, अनुसंधान संस्थानों, रोगी पक्षपोषण समूहों, परोपकारी संगठनों और व्यावसायिक संस्थाओं के एक बड़ा नेटवर्क में विकसित हो गया है। जो एनसीजी प्रतिवर्ष 8.5 लाख से ज्यादा नए रोगियों का उपचार करता है, जो भारत के कुल कैंसर रोगियों का लगभग 60 प्रतिशत है। भारत में कैंसर देखभाल के सभी हितधारकों को शामिल करते हुए, यह कैंसर की रोकथाम में एक मजबूत, एकीकृत और शक्तिशाली साधन है।

विपक्ष के पास ऐसा कोई मुद्दा नहीं जिससे सरकार को घेर सके : राजेश मूणत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र के चौथे विधायक राजेश मूणत ने मीडिया से चर्चा करते हुए विपक्ष को मुद्दाविहीन बताया। श्री मूणत ने कहा कि ऐसा कोई मुद्दा विपक्ष के पास नहीं है, जिसको लेकर वो सरकार को घेर पाए। उन्होंने कहा कि सामान्य चर्चा को लेकर वे रोज स्थगन प्रस्ताव लाकर सुर्खियां बटोरने का प्रयास कर रहे हैं।

कांग्रेस के विधानसभा घेराव को लेकर कहा कि आंदोलन किया, लेकिन विधानसभा के अंदर कोई तथ्यात्मक बात नहीं कर पाए, विधानसभा के अंदर ये स्थिति कि विपक्ष से ज्यादा तो सत्तापक्ष के लोग ही प्रश्न पूछ रहे थे। उन्होंने कहा कि स्थगन में सिर्फअपने क्षेत्र की रख रहे हो, स्थगन होता है पूरे छत्तीसगढ़ का, स्थगन होता है विषयवस्तु के ऊपर, लेकिन विपक्ष के पास कोई विषयवस्तु ही नहीं है। मलेरिया डायरिया को लेकर सरकार को जागरूक करने की बात है, वो ठीक है, लेकिन उसके ऊपर रिपोर्ट मांगों, ध्यानाकर्षण आएंगे, माध्यम तो हैं, लेकिन विपक्ष इन बातों से हटकर सिर्फ एक ही राग अलाप कर खाली सुर्खियां बटोरने का काम कर रहे हैं।

राजेश मूणत ने उठाया कौशल्या विहार के गजराज तालाब का मुद्दा

छत्तीसगढ़ में मानसून सत्र के चौथे दिन राजेश मूणत ने कौशल्या विहार के गजराज तालाब का सदन में मुद्दा उठाया, राजेश मूणत ने कहा की तालाब के आसपास की जमीन आमोद प्रमोद में इस्तेमाल होनी थी, लेकिन नियम के विरुद्ध जाकर आरडीए ने लैंड का यूज बदल दिया, और बिना टीएनसी से अनुमति लिए ले आउट कैसे बदला जा सकता है, वही इस सवाल पर मंत्री ओपी चौधरी ने जवाब देते हुए कहा की, मामले की जांच होगी, और दोषी पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ करवाई भी होगी, साथ ही टेंडर शर्तो का परीक्षण भी कराएंगे, और तालाब के आसपास की जमीन का इस्तेमाल आमोद प्रमोद के रूप में ही होगा। प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक राजेश मूणत ने कहा कि कमल विहार की 1600 एकड़ जमीन जो गजराज तालाब के आस पास था उसका सौंदर्यीकरण करने की योजना आरडीए ने बनाई थी।

विधानसभा : राजेश मूणत ने उठाया कौशल्या विहार के गजराज तालाब का मुद्दा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मानसून सत्र के चौथे दिन राजेश मूणत ने कौशल्या विहार के गजराज तालाब का सदन में मुद्दा उठाया। राजेश मूणत ने कहा की तालाब के आसपास की जमीन आमोद प्रमोद में इस्तेमाल होनी थी, लेकिन नियम के विरुद्ध जाकर आरडीए ने लैंड का यूज बदल दिया, और बिना टीएनसी से अनुमति लिए ले आउट कैसे बदला जा सकता है। वही इस सवाल पर मंत्री ओपी चौधरी ने जवाब देते हुए कहा की, मामले की जांच होगी, और दोषी पाए जाने पर दोषियों के खिलाफकरवाई भी होगी, साथ ही टेंडर शर्तो का परीक्षण भी कराएंगे, और तालाब के आसपास की जमीन का इस्तेमाल आमोद प्रमोद के रूप में ही होगा। प्रश्नकाल के दौरान भाजपा विधायक राजेश मूणत ने कहा कि कमल विहार की 1600 एकड़ जमीन जो गजराज तालाब के आस पास था उसका सौंदर्यीकरण करने की योजना आरडीए ने बनाई थी। पूर्ववर्ती सरकार ने इसका लैंड यूज बदले बिना इसका टेंडर निकालकर निजी कंपनी को नियमों के विपरित एम्यूजमेंट पार्क बनाने के लिए दे दिया।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नौकरी करने वालों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग करेगा कार्रवाई - जायसवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा सत्र के चौथे दिन आज विधानसभा में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने सदन में बताया कि फर्जी जाति प्रमाण पत्र के आधार पर नर्सिंग महाविद्यालयों में नियुक्तियां किये जाने की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को मिली है। इनमें से दो की जांच पूरी हो गई है एवं दो की जांच प्रक्रियाधीन है।

सदन में एक प्रश्न का जवाब देते हुए स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने बताया कि रायपुर के शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय में पदस्थ प्राध्यापक वर्षा गुर्देकर प्रदर्शक वीणा डेविड सह प्राध्यापक वीणा पाल एवं राजनांदगांव शासकीय नर्सिंग महाविद्यालय में पदस्थ सह प्राध्यापक ममता नायक के विरुद्ध विभाग को शिकायत मिली है। मिली शिकायतों के आधार पर उच्च स्तरीय प्रमाणीकरण छानबीन समिति ने ममता नायक और नीलम पाल की जातिप्रमाण पत्र की वैधानिकता प्रमाणिक पाई है। वहीं वर्षा गुर्देकर और वीणा डेविड की जाति प्रमाण पत्र के संबंध जांच प्रक्रियाधीन है।

जांच अधिकारी नीलम पाल के अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित होकर अनुसूचित जनजाति वर्ग से पदोन्नति का लाभ लिये जाने के संबंध रिव्यू डीपीसी की अनुशंसा की है। रिव्यू डीपीसी के लिए कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। वर्षा गुर्देकर के संबंध में शासन की ओर से 18 बार टीएल बैठक हुई है। लेकिन छानबीन समिति के समक्ष मामला प्रक्रियाधीन होने से कोई निर्णय नहीं लिया गया है। एक सवाल के जवाब में मंत्री ने बताया कि जांच के दौरान पदोन्नति दी जा सकती है।

मंत्री जायसवाल ने सदन में एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि टीबी के मरीजों को छह माह दवा दी जाती है। सेंट्रल टीबी डिवीजन द्वारा दवा की आपूर्ति में कमी के कारण राज्य में टीबी के दवाई के बफर स्टॉक में कमी आई है। इस वजह से मरीजों को एक बार में केवल एक सप्ताह की दवाई उपलब्ध कराई जा रही थी। समय पर दवा नहीं मिलने के कारण ड्रग रेजिस्टेंट की समस्या का प्रकरण सामने नहीं आया है।

निगम में एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सेल व सिटी लेवल इम्पीलिमेंटशन कमेटी की बैठक

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के तृतीय तल पर केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार) के रायपुर शहर के नोडल अधिकारी एवं वैज्ञानिक डॉ. योगेन्द्र कुमार सक्सेना ने नगर निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा सहित बिरगांव नगर निगम के आयुक्त बृजेश क्षत्रिय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण मंडल, नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय, परिवहन विभाग सहित नगर निगम रायपुर के अधिकारियों की उपस्थिति में एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सेल एवं सिटी लेवल इम्पीलिमेंटेशन कमेटी की बैठक ली।

एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सेल एवं सिटी लेवल इम्पीलिमेंटेशन कमेटी की बैठक में रायपुर शहर में वायु गुणवत्ता में सुधार हेतु चर्चा की गई। बैठक में अब तक की गई कार्यवाही की समीक्षा की गई और आगामी कार्य योजना पर चर्चा की गई । आगामी वर्ष की कार्य योजना तैयार कर नियमानुसार पर्यावरण विभाग को भेजे जाने के निर्देश दिये गये। आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पर्यावरण, वन, जलवायु परिवर्तन मंत्रालय भारत सरकार) के रायपुर शहर के नोडल अधिकारी एवं वैज्ञानिक द्वारा शहर में वायु गुणवत्ता में सुधार हेतु दिये गये सुझावों पर नगर हित में आवश्यक कार्यवाही करने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये।

बैठक में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के रायपुर शहर क्षेत्र के नोडल अधिकारी एवं वैज्ञानिक डॉ. योगेन्द्र कुमार सक्सेना ने रायपुर शहर में आवश्यकतानुसार सडक पैचवर्क कार्य करवाने और एण्ड टू एण्ड पेविंग कार्य करवाने का सुझाव दिया। उन्होने रायपुर नगर निगम में पैच रिपेयर मषीन क्रय करने का सुझाव दिया ताकि सडक पैच रिपेयर कार्य तेजी के साथ राजधानी शहर में किया जा सकेगा। नोडल अधिकारी वैज्ञानिक डॉ. योगेन्द्र कुमार सक्सेना ने नगर निगम में मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मषीन क्रय करने का सुझाव दिया ताकि सड़को की सफाई राजधानी शहर में तेज गति से की जा सके। उन्होने एनआईएसटी मषीन के माध्यम से राजधानी शहर के ऐसे चैक चैराहो, जहां प्रदूषण अधिक है, फाउंटेन लगाने का कार्य करवाने का सुझाव दिया। ताकि यह रायपुर शहर में वायु प्रदूषण में नियंत्रण हेतु सहायक हो। उन्होने निर्माण कार्यो में नियमानुसार ग्रीन नेट लगवाये जाने एवं शहर से सी एण्ड डी वेस्ट तत्काल उठवाने का कार्य करने एवं उसकी सतत मॉनिटरिंग किये जाने के निर्देश दिये।

प्रशिक्षण से जैव विविधता के संरक्षण, संवर्धन व उचित प्रबंधन में मिलेगी मदद

पैराटैक्सोनॉमी एवं बायोडायवर्सिटी संरक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जैवविविधता से समृद्ध छत्तीसगढ़ राज्य में ''पैराटैक्सोनॉमी एवं जैवविविधता संरक्षण'' हेतु 22 जुलाई से राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के कैम्पस में 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। वनमंत्री केदार कश्यप के दिशा-निर्देश पर आयोजित इस प्रशिक्षण के माध्यम से प्रदेश में जैव विविधता के संरक्षण, संवर्धन और उचित प्रबंधन में मदद मिलेगी।

यह प्रशिक्षण कार्यकम छत्तीसगढ़ राज्य जैवविविधता बोर्ड, राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया कोलकाता के सहयोग से आयोजित किया गया है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, तथा छत्तीसगढ़ राज्य जैवविविधता बोर्ड के अध्यक्ष राकेश चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण के प्रथम चरण में 66 युवाओं हेतु प्रशिक्षण प्रारंभ किया गया है, जिसमें से 48 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित हुए हैं। पैराटैक्सॉनामी तकनीकी प्रशिक्षण किसी पौधे की पहचान, उसके गुणों व उपयोग को जानने के लिए अत्यंत आवश्यक होता है। प्रशिक्षणार्थियों को यह प्रशिक्षण बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया के विशेषज्ञ प्रशिक्षकों (त्मेवनतबम च्मतेवद) के द्वारा दिया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में सभी वनमंडलों में गठित जैव विविधता प्रबंधन समिति (बीएमसी) के अंतर्गत आने वाले जीवविज्ञान में स्नातक छात्र-छात्राओं को चयनित कर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। ये प्रशिक्षित छात्र-छात्राएं अपने बीएमसी समिति तथा प्रत्येक ग्राम में जाकर 12 वीं पास विद्यार्थियों तथा व्यक्तियों को प्रशिक्षित करेंगे। प्रशिक्षण का मुख्य बिंदु उनके क्षेत्र में पाए जाने वाले जीव जंतु एवं पौध, वनस्पति प्रजातियों की पहचान करना, उनके औषधीय उपयोग को जानना, उनके उत्पादन की मात्रा को जानना है तथा उनके क्षेत्रों से कौन-कौन व्यक्ति, संस्था उत्पादन क्रय कर ले जा रहा है। इससे ऐसे व्यक्तियों और संस्थाओं से जैवविविधता अधिनियम के अनुसार एबीएस की राशि प्राप्त कर बीएमसी के खाते में जमा कर सकेंगे तथा इस प्राप्त राशि से क्षेत्र की जैवविविधता के संरक्षण व संवर्धन पर कार्य कर सकेंगे। इसके माध्यम से प्रत्येक स्थानीय निकाय के सम्पूर्ण क्षेत्र में गठित जैव विविधता प्रबंधन समिति (बीएमसी) के सदस्यों को जानकारी उपलब्ध हो सकेगी कि उनके क्षेत्र के अंतर्गत कौन-कौन से जैव संसाधन उपलब्ध हैं और उनका क्या उपयोग है, उनका संरक्षण, संवर्धन व उचित प्रबंधन किस प्रकार किया जा सकता है।

प्रशिक्षण के शुभारंभ के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य जैवविविधता बोर्ड के अध्यक्ष राकेश चतुर्वेदी ने कहा कि इस प्रशिक्षण उपरांत 4-5 ग्रामों के बीच एक प्रशिक्षित युवा को रखकर विभागीय कार्यों के साथ समन्वय किया जा सकेगा। राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के डायरेक्टर बी. आनंद बाबू द्वारा इन प्रशिक्षित युवाओं को स्थानीय ग्रामीणों के साथ समन्वय स्थापित कर उन्हें प्रैक्टिकल प्रशिक्षण प्रदान करने तथा पीबीआर तैयार होने के बाद बीएमसी एक्शन प्लान तैयार करने एवं कार्ययोजना तैयार करने में उपयोगी सुझाव दिए गए। प्रशिक्षण के शुभारंभ के अवसर पर बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया के डायरेक्टर डॉ. एए मावो, बॉटनिकल सर्वे ऑफ इंडिया के वैज्ञानिक डॉ. एसएस दास उपस्थित थे।

समस्या का समाधान ही शोध है: चौबे

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में अनुसंधान का भारतीय दृष्टिकोण पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए प्रो. कृपा शंकर चौबे अध्यक्ष, जनसंचार विभाग, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा ने कहा कि भारत में शोध की प्राचीन परंपरा है। अनुसंधान का भारतीय दृष्टिकोण सिद्धांत एवं दर्शन पर आधारित है। समस्या के समाधान के लिए वैज्ञानिक विधियों की सहायता से समाधान प्राप्त करना ही शोध है। उन्होंने कहा कि शोध समस्या का समाधान है एवं शोधार्थी को पूर्वाग्रह से मुक्त होकर शोध करना चाहिए। उन्होंने शोध के तीन रूपों को बताया जिनमें मौलिक, व्यावहारिक एवं क्रियात्मक अनुसंधान प्रमुख रूप में हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बल्देव भाई शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का संदेश ही शब्द का अर्थानुवाद, भावानुवाद है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षा में भारतबोध को प्रतिस्थापित करने का प्रयास है। साथ ही भारत की ज्ञान परंपरा को विकसित करने का प्रयास है, जिसका उद्देश्य भारतीय ज्ञान को आगे लाना है। उन्होंने आगे कहा कि पत्रकारिता केवल खबरें लिखना नहीं, अपितु जीवन की चेतना है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा को आगे लाने की आवश्यकता है। वास्तव में बेतार की खोज सर जगदीश चंद्र बसु द्वारा की गई थी। वैश्विक हितों को देखते हुए पश्चिमी देशों ने भारत के ज्ञान को पीछे धकेलने का प्रयास किया है। अब समय आ गया है कि जब हम विकसित भारत की संकल्पना के साथ भारत के ज्ञान को वैश्विक पटल पर रख सकते हैं।

कार्यक्रम के संयोजक प्रभारी कुलसचिव डॉ. नरेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शोध पर विशेष बल दिया गया है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत इस वर्ष से स्नातक स्तरीय पाठ्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है।

अश्विन बाबू की फिल्म शिवम भजे की रिलीज डेट हुई अनाउंस, 1 अगस्त को सिनेमाघरों देगी दस्तक

एक्शन से भरपूर गर्मी के लिए तैयार हो जाइए, क्योंकि अश्विन बाबू की आने वाली फिल्म शिवम भजे 1 अगस्त, 2024 को सिनेमाघरों में आने वाली है। हाल ही में समीक्षकों द्वारा प्रशंसित हिडिम्बा में अभिनय करने वाले अभिनेता इस एक्शन ड्रामा में पहले कभी न देखे गए अवतार से दर्शकों को आश्चर्यचकित करने के लिए तैयार हैं।

फिल्म के प्रोमो में अश्विन के गहन परिवर्तन की झलकियाँ पहले ही दिखाई जा चुकी हैं, जिससे प्रशंसक और अधिक देखने के लिए उत्सुक हैं। उनके साथ, फिल्म में प्रमुख महिला के रूप में दिगंगना सूर्यवंशी हैं, जिसमें लोकप्रिय कॉमेडियन हाइपर आदी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

इस फ़िल्म में बॉलीवुड स्टार अरबाज खान मुख्य खलनायक की भूमिका में नज़र आएंगे, जो तेलुगु सिनेमा में उनकी पहली फ़िल्म होगी। शिवम भजे गंगा एंटरटेनमेंट्स द्वारा निर्मित है और इसका निर्देशन विकास बडीसा ने किया है। फ़िल्म में तकनीकी विशेषज्ञता है और सिनेमैटोग्राफी का काम छोटा के प्रसाद ने किया है।

निर्माताओं ने आने वाले दिनों में फ़िल्म के बारे में और जानकारी देने का वादा किया है, जिससे प्रशंसक फ़िल्म देखने के लिए बेताब रहेंगे। स्टार-स्टडेड कास्ट, दिलचस्प कहानी और धमाकेदार एक्शन के साथ, शिवम भजे दर्शकों के लिए एक बेहतरीन फ़िल्म साबित होगी।

'स्त्री-2' के आइटम में तमन्ना भाटिया की दिलकश अदाएं

फिल्म 'स्त्री 2' के मेकर्स ने पहला गाना 'आज की रात' रिलीज कर दिया है। इस डांस नंबर में तमन्ना भाटिया नजर आ रही हैं। सिजलिंग आउटफिट, दिलकश मूव्ज से तमन्ना स्टेज पर 'आग' लगाती दिख रही हैं। फैन्स तमन्ना को देख दीवाने हुए जा रहे हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, इस सॉन्ग में फिल्म के डायरेक्टर अमर कौशिक भी कैमियो करते नजर आ रहे हैं।

रिलीज हुआ 'आज की रात'

पंकज त्रिपाठी, राजकुमार राव, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना के साथ अमर थिरकते दिख रहे हैं। 'आज की रात' सॉन्ग को मधुबनती बाग्ची, दिव्या कुमार और सचिन-जिगर ने गाया है। सचिन-जिगर ने सॉन्ग को कंपोज भी किया है। इसके लिरिक्स अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं। जैसे ही गाना यूट्यूबर पर फिल्म के मेकर्स ने रिलीज किया, फैन्स तमन्ना के सिजलिंग डांस मूव्ज देख दीवाने हो गए।

- एक फैन ने लिखा- क्या सही गाना बनाया है।
- एक और फैन ने लिखा- कुछ नया, कुछ अनोखा, तमन्ना काफी फ्रेश नजर आ रही हैं।
- तीसरे यूजर ने लिखा- क्या किसी ने फिल्म के डायरेक्टर अमर कौशिक को ध्यान से देखा। वो भी इसमें कैमियो करते नजर आ रहे हैं।

बता दें कि फैन्स उम्मीद कर रहे हैं कि 'स्त्री 2' इस बार की ब्लॉकबस्टर फिल्म होने वाली है, लेकिन समय आने पर पता लगेगा कि फैन्स द्वारा लगाए जा रहे कयास कितने सही साबित होते हैं। साल 2018 में फिल्म आई थी 'स्त्री'। उसी का ये ऑफीशियल सीक्वल है। कहानी वहीं से आगे बढ़ती नजर आएगी। 'स्त्री' में भी श्रद्धा कपूर, अपारशक्ति खुराना, राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी और अभिषेक बनर्जी थे। अमर कौशिक ने दोबारा से इसी कास्ट के साथ कौलेब करके 'स्त्री 2' की कहानी को आगे बढ़ाया है। जो भी कहो, खूब मजा आने वाला है। बात करें श्रद्धा कपूर के वर्कफ्रंट की तो उन्हें आखिरी बार रणबीर कपूर संग फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' में देखा गया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। फैन्स को इसकी कहानी काफी पसंद आई थी। 'स्त्री 2', 15 अगस्त 2024 को रिलीज हो रही है। इसका क्लैश जॉन अब्राहम की फिल्म 'वेदा' और अक्षय कुमार की 'खेल खेल में' के साथ होगा।

बॉडी हगिंग ड्रेस पहन राशि खन्ना ने कैमरे में जमकर दिए पोज

हॉटनेस ऐसी की दिल हार गए फैंस

साउथ की हसीना राशि खन्ना हमेशा अपने बोल्ड लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर लाइमलाइट बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इन तस्वीरों में उनकी बोल्डनेस देखकर फैंस अपना दिल हार गए हैं। एक्ट्रेस राशि खन्ना हमेशा अपनी बोल्ड ड्रेसिंग सेंस के चलते फैंस के बीच सुर्खियों में रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस राशि खन्ना ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा कर फैंस को दीवाना बना दिया है। इन तस्वरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस आहें भरते नजर आ रहे हैं।

एक्ट्रेस राशि खन्ना जब भी अपनी फोटोज फैंस के बीच शेयर करती हैं तो उनके लुक्स की अक्सर तारीफ होती हैं। हालांकि फैंस भी उनके हर एक स्टाइल को फॉलो करते हैं। इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस राशि खन्ना ने फोटोशूट के दौरान ब्लू कलर की बॉडी हगिंग ड्रेस पहनी हुई थी, जिसमें वो ग्लैमरस अंदाज में एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं।

राशि खन्ना अपने इस फोटोशूट के दौरान परफेक्ट बॉडी कर्व्स फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। साथ ही उनके लुक्स को देखकर फैंस एक बार फिर अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि एक्ट्रेस राशि खन्ना जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका हर एक स्टाइल फैंस के बीच ट्रेंड करता है। राशि खन्ना सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

इस बार हसीन दिलरुबा के प्यार में होगा और बवाल

Phir Aayi Haseen Dillruba Trailer

साल 2021 में आई हसीन दिलरुबा काफी हिट रही थी। अब इसका सिक्वल फिर आई हसीन दिलरुबा दस्तक देने को तैयार है। गुरुवार को तापसी पन्नू, विक्रांत मैसी और सनी कौशल स्टारर फिर आई हसीन दिलरुबा का ट्रेलर रिलीज हो गया है। नेटफ्लिक्स इंडिया ने दो मिनट लंबा ट्रेलर जारी किया है। इसका ट्रेलर वहीं से शुरू होता है, जहां पर पिछली फिल्म हसीन दिलरुबा खत्म हुई थी। फिर से रानी (तापसी पन्नू) से मुलाकात होती है। वह अब भी पति रिशु (विक्रात मेसी) के साथ रह रही होती है, लेकिन पिछले कर्मों का खामियाजा उसे जल्द भुगतना पड़ता है जब उसे सनी कौशल के रूप में एक नया लवर भी मिलता है।

क्या है ट्रेलर में

ट्रेलर की शुरुआत में रानी एडमिट करती है कि रिशु और वो, दोनों ने ही प्यार में कई क्रेजी चीजें की हैं। रिशु कहता है कि वह जो भी कहेगी, सुनने को तैयार है, लेकिन एक ही कंडीशन पर और वह कंडीशन यह होगी कि कोई भी तीसरा दोनों के बीच नहीं आएगा। इसी दौरान सनी कौशल की एंट्री शहर में नए लवर बॉय के रूप में होती है। वह मूवी डेट के लिए पूछता है और दोनों जल्द ही एक-दूसरे से मिलना और बातें करना शुरू कर देते हैं।

जब रिशु को रानी के नए अफेयर के बारे में पता चलता है तो कहानी में कई और ट्विस्ट आने लगते हैं। ट्रेलर एक सरप्राइज ट्विस्ट पर खत्म होता है, जहां पर जिमी शेरगिल की एंट्री होती है। वह खुद को नील के अंकल के रूप में इंट्रोड्यूस करवाता है। वह कहता है कि वह कोई भी सवाल पूछ सकता है, क्योंकि यह पर्सनल केस है। इस ट्रेलर और फिल्म का दर्शक लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। पिछली फिल्म को भी काफी सराहना मिली थी।

लोगों के रिएक्शन

ट्रेलर काफी पसंद किया जा रहा है। कोई विक्रांत तो कोई तापसी की परफॉर्मेंस की तारीफ कर रहा है। वहीं जिमी शेरगिल को लेकर भी फैंस काफी एक्साइटेड हैं। फैंस कमेंट कर रहे हैं कि वे फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बता दें कि फिल्म 9 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

बारिश में इन सब्जियां का सेवन करना है फायदेमंद

आज ही डाइट में करें शामिल, नहीं तो हो जाएंगे बीमार

बारिश का मौसम शुरू होते ही लोग बीमार होना शुरू हो जाते है। ऐसे में अक्सर डॉक्टर और घरवाले स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहने की सहल देते है। क्योकि बारिश के मौसम में फंगल इन्फेक्शन, सर्दी-जुकाम, खांसी आदि बीमारियों का ज्यादा खतरा रहता है। ऐसे में आज हमको बरसात में किन सब्जियां का सेवन करना चाहिए उसकी जानकारी देने जा रहे है। जो की न सिर्फस्वास्थ्य के लिए लाभदायक है बल्कि इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करने में मदद करता है। तो चलिए जानते है कौन सी है वि सब्जियां।

कौनसी सब्जियां मॉनसून में खानी चाहिए

- करेला: बरसात के मौसम में जिन सब्जियों को खाना अच्छा रहता है उनमें करेला शामिल है. करेले कई तरह के पैरासाइट्स और जीवाणुओं को दूर करते हैं जिनसे आंतों को नुकसान होता है. इसके अलावा करेले खाने पर पाचन बेहतर होने में मदद मिलती है.
- परवल : परवल की सब्जी भी इस मौसम के लिए अच्छी है. यह एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होती है और इसमें माइक्रोबियल गुण भी होते हैं.
- मूली: मूली (Radish) पेट को स्वस्थ रखने के लिए इस मौसम में खाई जा सकती है. यह सर्दी और जुकाम को दूर रखने में भी सहायक है.
- लौकी : बारिश के मौसम में स्वस्थ रहने के लिए अपनी डाइट में लौकी जरूर शामिल करें। इसमें पानी की मात्रा अधिक होती है। जो गर्मी से राहत दिलाने के साथ मानसून की बीमारियों से आपको बचाने में बेहद मददगार है। लौकी सेहत का खजाना है, इसमें एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं।
- बीन्स : बारिश के मौसम में खेतों में बीन्स आ जाती हैं। दरअसल, बीन्स लता वाली सब्जियों (creeper vegetables) में आता है और इन्हें खाना आपकी सेहत के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है। दरअसल, ये जमीन से ऊपर रहते हैं और इसलिए बारिश में बचे हुए रह जाते हैं। आप बीन्स को सब्जी, भजिया और पुलाव में इस्तेमाल कर सकते हैं।
- लोबिया : लोबिया एक फलीदार सब्जी है और बारिश के मौसम में आपको ये आराम से मिल जाएंगी। आप इसे आराम से बना खा सकते हैं। इसके प्रयोग आप सूप से लेकर सब्जी तक में कर सकते हैं। ये सेहत के लिए भी अच्छा है।
- भींडी : भींडी को लेकर कुछ लोगों को मत ये है कि ये गर्मी वाली सब्जी है लेकिन, क्या नहीं है। भींडी आपको इस बरसात के मौसम में भी मिल जाएगी। भींडी को आप कई प्रकार की सब्जियों में इस्तेमाल कर सकते हैं।
- तुरई : तुरई आपकी सेहत के लिए कई प्रकार से फायदेमंद है। ये पानी से भरपूर सब्जी इस मौसम में आपको आरान से मिल जाएगी। तो, बाजार जाएं तो इन सब्जियों का ज्यादा चुनाव करें। ये बाकी तुलना में सस्ते हो सकते हैं और इन्हें खाना भी फायदेमंद हो सकता है।
- ब्रोकली : ब्रोकली विटामिन-सी का समृद्ध स्रोत है। यह इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में काफी मददगार साबित हो सकता है। इसके अलावा ब्रोकली में फाइबर अधिक मात्रा में पाया जाता है, जो आंत के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है। इस सब्जी में मौजूद पोषक तत्व मानसून के दौरान होने वाले संक्रमणों से बचाते हैं।

शादीशुदा एक्टर को डेट कर रहीं 'रामायण' की सीता?

सिनेमा जगत में एक्टर्स की पर्सनल और लव लाइफ चर्चा में आना आम बात है। फिर चाहे बॉलीवुड हो या फिर साउथ। एक्टर्स अक्सर किसी ना किसी या फिर अपने को-एक्टर्स को डेट करने की वजह से हेडलाइन्स में आ ही जाते हैं। ऐसे में अब साउथ की पॉपुलर एक्ट्रेस साई पल्लवी डेटिंग को लेकर एक बार फिर से चर्चा में आ गई हैं। नितेश तिवारी की 'रामायण' में सीता के रोल के लिए फाइनल हुईं एक्ट्रेस साई को लेकर खबर सामने आ रही है कि वो किसी शादीशुदा और दो बच्चों के पिता को डेट कर रही हैं। हालांकि, इस पर उनकी ओर से कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट सामने नहीं आया है।

साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी लंब समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर खबरों में बनी हुई हैं। इसी बीच अब शादीशुदा और दो बच्चों के पिता के साथ उनकी डेटिंग की खबरों ने बवाल ही मचा दिया है। कहा ये भी जा रहा है कि वो उम्र में काफी बड़े एक्टर संग शादी कर सकती हैं। लेकिन, अभी तक उस एक्टर का नाम सामने नहीं आया है। केवल उसे इंडस्ट्री का स्टार एक्टर कहा जा रहा है। अब इन खबरों में कितनी सच्चाई है इस पर कोई ऑफिशियल रिएक्शन सामने नहीं आया है। लेकिन, एक्ट्रेस ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर एक बार फिर से लाइमलाइट बटोर ली है। वहीं, उनके फैंस की ओर से डेटिंग की खबरों को अफवाह बताया जा रहा है। आपको बता दें कि साई पल्लवी ने ना तो पहले शादी और डेटिंग की अफवाहों पर रिएक्शन दिया और ना ही अब। माना जाता है कि वो अपनी निजी जिंदगी को प्राइवेट रखना पसंद करती हैं।

कॉलीवुड टेक्निशियन से रही शादी की चर्चा

गौरतलब है कि साई पल्लवी कोई पहली बार अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में नहीं आई हैं। इसके पहले भी उनकी डेटिंग और शादी खबरें मीडिया में आती रही हैं। हाल ही में साउथ एक्ट्रेस का नाम कॉलीवुड टेक्निशियन के साथ जोड़ा गया था। इसके पहले 'गार्गी' एक्ट्रेस का नाम को-एक्टर संग जोड़ा गया था। एक तस्वीर भी सामने आई थी। बाद में खुलासा हुआ था कि वो कोई रियल का नहीं बल्कि रील का मामला का था। वो उनकी किसी फिल्म का एक सीन था।

साई पल्लवी का वर्कफ्रंट

बहरहाल, इन सबसे परे अगर साई पल्लवी के प्रोफेशनल फ्रंट की बात की जाए तो वो जल्द ही फिल्म 'अमरान' में नजर आने वाली हैं। इसमें उनका रोल Indhu Rebecca Varghese का होने वाला है। इसके साथ ही एक्ट्रेस नागा चैतन्य के साथ फिल्म 'थंडल' की शूटिंग में व्यस्त हैं। वहीं, उनके पास बॉलीवुड का भी बड़ा प्रोजेक्ट है। वो रणबीर कपूर के साथ फिल्म 'रामायण' में नजर आने वाली हैं।

बरसात में नहाने से हेल्थ को होते है कई तरह के फायदे बालों को हेल्थी रखने के साथ साथ तनाव को करता है दूर

मानसून शुरू होती ही मौसम काफी सुहाना हो जाता है। अक्सर इस मौसम में अपने लोगों को बारिश में नहाते और भुट्टा का लुफ्त उठाते हुए देखा होगा। लेकिन क्या आप जानते है कि बारिश के पानी में नहाने से बॉडी को कई तरह के फायदे होते है। साथ ही घमौरियां दूर होने के साथ-साथ बॉडी टेंपरेचर भी संतुलित बना रहता हैं। वैसे तो अक्सर घर के बड़े बारिश में भीगने से माना करते है। क्योकि बारिश में तबियत खराब हो जाती है। लेकिन आज हम आपको बारिश में नहाने के फायदे बताते है। जिन्हे जानकर आप भी हैरान हो जाएंगे। तो चलिए जानते है बरसात में नहाने से हेल्थ को किस तरह के फायदे मिल सकते हैं।

बारिश में नहाने के फायदे

- बाल रखे हेल्दी : बारिश आपके बालों को नैचुरली क्लीन करने में मदद करती है। बारिश में नहाने के बाद, आपको बस शॉवर लेना है और अपने बालों को माइल्ड शैम्पू से वॉश करना है। बेहतर होगा कि आप इसके लिए नीम युक्त शैम्पू या साबुन का इस्तेमाल करें।
- विटामिन बी 12: अगर आप 10 से 15 मिनट बारिश के पानी में नहाते हैं तो इससे आपके शरीर को विटामिन बी 12 मिल सकता है। लेकिन आप सुनिश्चित करें कि आप भीगने के बाद जल्दी से उचित साबुन से नहा लें, ताकि खुद को साफकर सकें।
- कान दर्द करे ठीक: बारिश में भीगना आपके हार्मोन को संतुलित करने का एक शानदार तरीका है। हार्मोन को नियंत्रित रखने के अलावा, बारिश का पानी कान की समस्याओं के लिए भी कारगर है। यह किसी भी तरह के कान के संक्रमण का इलाज करता है और कान के दर्द को दूर रखता है।
- रैशेज होते हैं ठीक: बारिश में नहाने से न केवल आपका शरीर ठंडा होता है बल्कि रैश भी ठीक होते हैं। यह एक सिद्ध तथ्य है कि बारिश का पानी आपकी त्वचा के तापमान को संतुलित रखता है और गर्मियों में होने वाले रैश से छुटकारा दिलाता है।
- हैप्पी हॉर्मोन होते हैं रिलीज : वहीं, बारिश में नहाने से हैप्पी हार्मोन रिलीज होते हैं। इससे आपका तनाव दूर होता है।
- तनाव को करे दूर: बारिश के पानी में एंडोफार्मिन और सेरोटोनिन जैसे हैप्पीनेस हार्मोन रिलीज होते हैं, जो तनाव को दूर करने में बेहद फायदेमंद होता है।

खास खबर

प्रदेश कुनबी समाज ने गुरु पूर्णिमा पर्व पर किया गुरुओं का सम्मान

रायपुर। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर, छ. ग. प्रदेश कुनबी समाज महासंगठन छत्तीसगढ द्वारा, कुनबी समाज के वरिष्ठ गुरुजनों को, गुरु पूर्णिमा पर छत्रपति शिवाजी भवन, गोंदवारा, रायपुर में सम्मानित किया गया है। आज हम गुरु शिष्य की परंपरा को भुलाते जा रहे हैं। ऐसे में सामजिक कार्य में अपनी भूमिका निभाने वाले सभी वरिष्ठ गुरुजनों के मार्गदर्शन से समाज एकजुटता के साथ खड़ा है। इस सम्मान पर समाज के वरिष्ठ नागरिकों को शाल और श्रीफ्ल भेंटकर सम्मानित किया गया । यह कार्यक्रम प्रदेश कुनबी समाज महासंगठन छत्तीसगढ के नेतृत्व में संपन्न हुआ । प्रदेश सचिव अमित डोये ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ छत्रपति शिवाजी महाराज की मूर्ति पूजा कर किया गया । मंगल गान और गायत्री मंत्र के बीच समाज के गुरुजनों के पद पखारन और माल्यार्पण कर शाल श्रीफ्ल देकर सम्मानित किया गया । समाज द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पहली बार यह आयोजन किया गया । इस आयोजन से नई पिढी को सिख के साथ अपनी संस्कृति को समझने का अवसर मिला। सम्मानित वरिष्ठ नागरिकों में सर्व श्री एस एस ब्राम्हणकर । जे एन गोंदुडे । एल एन गोंदुड़े । डी एन चौधरी । बालकृष्ण शिवनकर जी । दिलीप गेडेकर । दानेश्वर रावत । मनोहर खोटेले । डी एन चौधरी आदि उपस्थित थे। सभी गुरुजनों ने अपने उपदेशों में समाज के पदाधिकारियों को सामजिक एकजुटता के लिये प्रेरित किया। साथ ही बच्चों को अपनी संस्कृति के प्रति जागरूक कर सामाजिक विकास में अपनी अपनी भूमिका निभाने पर जोर दिया है। प्रदेश अध्यक्ष रंजीत मुनेश्वर जी ने इस परंपरा को आगे बढ़ाने पर अपने विचार रखे जिसमें आने वाले वर्षों में समाज के सभी नागरिकों को एकजुट होकर उनके परिवार द्वारा माता पिता को गुरु चरणों को पखारकर उन्हें सम्मानित करने का निर्णय लिया गया है। इस कार्यक्रम का संचालन प्रदेश सचिव अमित डोये ने किया है। महिला अध्यक्ष सारिका गेडेकर ने समाज की ओर से आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में समाज वरिष्ठ प्रदेश पदाधिकारी, श्रीमती मनीषा बारसे उपाध्यक्ष, हेमलता शिवणकर, अनामिका ब्राम्हणकर, संगिता भांडारकर, यमुताई फुंडे, वनिता कुथे, विजेता शेंडे। प्रदेश संगठन प्रमुख गोपाल कुथे, वासुदेव फुंडे, दिनेश पागोटे, दिलीप गेडेकर हेमराज हत्तिमारे उपस्थित होकर कार्यक्रम सफ्ल बनाया है।

शिक्षा सप्ताह अंतर्गत स्कूलों में बच्चों ने लोक नृत्य और लोक गीत की दी आकर्षक प्रस्तुतियां

जगदलपुर। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत स्थानीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन का लक्ष्य भी रखा गया है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत मानना है कि स्थानीय सामाजिक व्यवस्था, संस्कृति, परम्परा, बोली, भाषा आदि शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। खासकर पूर्व प्राथमिक एवं प्राथमिक स्तर पर जब बच्चा अपनी मातृभाषा या बोली से ही शिक्षा प्रारंभ करता है जो आधुनिक शिक्षा की मजबूत नीव बनती है। इसे ध्यान रखते हुए राष्ट्रीय शिक्षा सप्ताह अंतर्गत चौथे दिन गुरुवार को स्थानीय संस्कृति एवं सामाजिक कार्यक्रमों को समर्पित किया गया है। बस्तर जिले के समस्त स्कूलों पूर्व प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक शालाओं सहित हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों में गुरुवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कलेक्टर विजय दयाराम के. के निर्देशानुसार एवं सीईओ जिला पंचायत प्रकाश सर्वे के मार्गदर्शन में आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत स्थानीय वाद्य यंत्र के प्रयोग, लोकगीत और लोक नृत्य के साथ ही स्थानीय स्वतंत्रता सेनानियों के ऊपर नाटक का मंचन भी किया गया। बच्चों ने रंग-बिरंगे वेशभूषा में स्थानीय लोक नृत्य और लोक गीत प्रस्तुत किया। वहीं अनेक स्कूलों में बस्तर के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी शहीद गुंडाधूर पर रेखांकित नाटक का मंचन किया गया। कई शालाओं में आमंत्रित स्थानीय कलाकारों के सहयोग से लुप्त होती जा रही मोहरिया बजा आदि बजाना सिखाया गया। जिला शिक्षा अधिकारी बलिराम बघेल ने बताया कि शैक्षणिक सप्ताह अंतर्गत बस्तर जिले के समस्त शालाओं में प्रतिदिन समस्त कार्यक्रमों में शिक्षक एवं बच्चों के साथ ही साथ स्थानीय पंचायत पदाधिकारी और बच्चों के माता-पिता एवं पालक उत्साहपूर्वक सम्मिलित होकर बच्चों का उत्साहवर्धन कर रहे हैं।

बस्तर अंचल की महिला कृषक को जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए मिला लाईफ टाईम अचीवमेंट पुरस्कार

अंतर्राष्ट्रीय कृषि एवं उद्यानिकी एक्सपो के राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ के 5 उद्यानिकी कृषक सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में 20 से 22 जुलाई तक सरकार की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने वाले अंतर्राष्ट्रीय कृषि एवं उद्यानिकी पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय मेले में जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए बस्तर अंचल के महिला कृषक को लाईफटाईम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वहीं उद्यानिकी के क्षेत्र में नवाचार तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले छत्तीसगढ़ के पांच कृषकों को भी सम्मानित किया गया है। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने उद्यानिकी के क्षेत्र में वनांचल क्षेत्रों सहित प्रदेश के किसानों को अंतर्राष्ट्रीय मेले में अवार्ड मिलने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

उद्यानिकी विभाग के अधिकारियों ने आज यहां बताया कि बस्तर के सुदूर अंचल के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में 1000 महिला कृषकों को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा देने एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने वाली महिला कृषक श्रीमती वेदेश्वरी (बिंदु) शर्मा को उक्त एक्पो में लाईफ टाईम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बस्तर की जैविक महिला की पदवी प्राप्त श्रीमती शर्मा के मार्गदर्शन में जिला-कोंडागांव के ग्राम कोकोड़ी एवं आस पास के गांवों के 1000 महिला कृषक, जैविक खेती अपनाकर विगत 6 वर्षों से अधिक आमदनी अर्जित कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि 5 एकड़ खेत में श्रीमती शर्मा द्वारा पूर्ण जैविक खेती ली जा रही है, इनके कठिन परिश्रम के परिणामस्वरूप इन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कारों से पहले भी सम्मानित किया जा चुका है।

जिला-बिलासपुर के ग्राम मल्हार के कृषक यदुनंदन प्रसाद वर्मा को विगत 5-6 वर्षों से 2.5 एकड क्षेत्र में केला, सब्जी आदि की जैविक खेती करने के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। जिरेनियम की खेती में उत्कृष्ट कार्य करने वाले एवं राज्य में इसकी खेती को बढावा देने वाले जयराम नगर जिला-बिलासपुर के कृषक लोकेश बालकृष्ण पताडे को तकनीकी नवाचार के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। जय किसान नर्सरी, ग्राम बम्हनी चारपारा, जिला राजनांदगांव के कृषक श्री जसवंत कुमार साहू के कुशल मार्गदर्शन एवं अथक प्रयासों से ग्राफ्टेड सब्जी पौध तैयार करने तथा उद्यानिकी के क्षेत्र में नवाचार करने हेतु प्रशस्ति पत्र से नवाज़ा गया। पुष्प की खेती में अपना नाम रोशन करने वाली महिला कृषक श्रीमती अंकिता वर्मा, जिला-रायपुर को ग्रीन हाउस में गुलाब के फूलों की उत्कृष्ट खेती हेतु प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

गौरतलब है कि 3 दिवसीय एक्सपो में छत्तीसगढ़ उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी द्वारा स्टॉल लगाकर पुष्प, फ्ल, सब्जी आदि की प्रदर्शनी लगाई गयी तथा विभागीय योजनाओं, गतिविधियों एवं प्रगतिशील कृषकों की सफ्लता की कहानी को बैनर के माध्यम से प्रदर्शित किया गया था। साथ ही मशरूम के उत्पाद, प्रसंस्करण उत्पाद, महुआ तथा जामुन का जूस आदि भी स्टाल में प्रदर्शनी एवं विक्रय हेतु रखा गया था। स्टाल में मुख्य आकर्षण का केंद्र रहा जरेनियम की खेती, पॉली हाउस में आर्किड की खेती, ग्राफ्टेड बैंगन की खेती, ड्रैगन फ्रूट, कालीमिर्च एवं चाय की खेती की विस्तृत जानकारी के साथ लगे डिस्प्ले जिसे पढने और उसकी अधिक जानकारी प्राप्त करने विभिन्न राज्यों के किसानों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना रहा। प्रदर्शनी में आये विशेष अतिथियों एवं अधिकारियों द्वारा भी छत्तीसगढ़ उद्यानिकी के स्टाल में लगाई गयी उत्कृष्ट प्रदर्शनी की प्रशंसा की गयी एवं ''प्रमोशन ऑफ़ बेस्ट हॉर्टिकल्चर एंड फार्म फॉरेस्ट्री प्रैक्टिसेज'' के केटेगरी में भी अवार्ड से सम्मानित किया गया।

अमरनाथ यात्रा : 26 दिन में 4.25 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं ने किये बाबा बर्फानी के दर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। 29 जून से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ रही है। पिछले 26 दिनों में अमरनाथ यात्रा करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 4.25 लाख को पार कर गई है। 3,089 श्रद्धालुओं का एक और जत्था गुरुवार को जम्मू से कश्मीर के लिए रवाना हुआ। बीते साल पूरी अवधि के दौरान केवल 3.50 लाख यात्रियों ने अमरनाथ यात्रा की थी। इस साल केवल 26 दिनों में 4.25 लाख तीर्थयात्री पवित्र गुफा मंदिर के दर्शन कर चुके हैं।

गुरुवार को 3,089 यात्रियों का जत्था दो सुरक्षा काफिलों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि दोनों सुरक्षा काफिले सुबह 3:25 बजे घाटी के लिए रवाना हुए।

पहला सुरक्षा काफिला 43 वाहनों में 1 हजार 286 तीर्थयात्रियों को लेकर उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। दूसरा सुरक्षा काफिला 63 वाहनों में 1 हजार 803 तीर्थयात्रियों को लेकर दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। गुफा मंदिर में बर्फ की एक संरचना है जो चंद्रमा के चरणों के साथ घटती-बढ़ती रहती है। भक्तों का मानना है कि यह बर्फ की संरचना भगवान शिव की पौराणिक शक्तियों का प्रतीक है। यह गुफा कश्मीर हिमालय में समुद्र तल से 3,888 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। भक्त या तो पारंपरिक दक्षिण कश्मीर पहलगाम मार्ग से या फिर उत्तर कश्मीर बालटाल मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं। श्रद्धालु या तो 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम गुफा मंदिर मार्ग से यात्रा करते हैं या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग का उपयोग करने वालों को गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार से पांच दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग का उपयोग करने वाले लोग गुफा मंदिर के अंदर दर्शन करने के बाद उसी दिन आधार शिविर लौट आते हैं। इस वर्ष की यात्रा 52 दिनों के बाद 19 अगस्त को श्रावण पूर्णिमा और रक्षाबंधन त्योहार के साथ संपन्न होगी।

बजट में कटौती कर शिक्षा व्यवस्था को नष्ट करना चाहती है भाजपा-आरएसएस : खड़गे

नई दिल्ली (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को साल 2024-25 का बजट पेश किया, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला बजट था। गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा-आरएसएस पर भारत की शिक्षा प्रणाली को नष्ट करने का आरोप लगाया लगाया है। खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भाजपा-आरएसएस भारत के शिक्षा क्षेत्र में कटौती कर इसे नष्ट करना चाहती है! उच्च शिक्षा के बजट में 9,600 करोड़ की भारी कटौती की गई है। अंतरिम बजट में भी इसमें 16.38 प्रतिशत की कटौती की गई है। आईआईटी और आईआईएम के बजट में लगातार दूसरे साल कटौती की गई है। यूजीसी के बजट में 61 प्रतिशत की भारी कटौती की गई है।

उन्होंने आगे लिखा, यूजीसी एक वैधानिक निकाय है, और इसे देश में एकमात्र अनुदान देने वाली एजेंसी माना जाता था, लेकिन मोदी सरकार ने इसकी शक्ति छीन ली है, जिससे इसकी स्वायत्तता खत्म हो गई है। यूजीसी की %अनुदान% निधि की कार्यप्रणाली को उच्च शिक्षा वित्तपोषण एजेंसी (एचईएफए) ने हड़प लिया है, जो केनरा बैंक और शिक्षा मंत्रालय के बीच एक उद्यम है। यह न केवल कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को अधिक स्व-वित्तपोषण पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए मजबूर करेगा, बल्कि एससी, एसटी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस छात्रों की वित्तीय समस्याओं को भी बढ़ाएगा।

उन्होंने आगे लिखा, भारत की शिक्षा प्रणाली पर मोदी सरकार का पांच तरफा हमला जारी है। विश्वविद्यालयों को नियंत्रित करना, स्वायत्त संस्थानों के धन को गला घोंटना, उनकी स्वायत्तता को कम करना, सार्वजनिक शिक्षा को नष्ट करना और युवाओं को धोखा देने के रूप में हमला लगातार जारी है!

मोदी सरकार ने वित्त वर्ष 2024-25 में शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के लिए 1.48 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जिसमें बुनियादी शिक्षा, उच्च शिक्षा और रोजगार सृजन पर फोकस किया गया है।

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को सर्वाधिक 73,498 करोड़ रुपये का आवंटन प्राप्त हुआ है। उच्च शिक्षा विभाग को 47,619.77 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह पिछले वर्ष की तुलना में 3,525.15 करोड़ रुपए (7.99 प्रतिशत) की वृद्धि को दर्शाता है। वहीं एक करोड़ युवाओं को मासिक भत्ते के साथ इंटर्नशिप प्रदान करने की योजना शुरू करने का ऐलान किया गया है।

हिमाचल के सिरमौर में भारी भूस्खलन नेशनल हाईवे 707 पर आवागमन ठप

सिरमौर (एजेंसी)। हिमाचल के सिरमौर जिले में भीषण भूस्खलन हुआ है। यह भूस्खलन नेशनल हाईवे 707 पर चिल्ल्न के पास हुआ है। इसके चलते यातायात बाधित हो गया है। हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। पत्थर के टुकड़े गिरने से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए हैं।बता दें कि पहाड़ दरकने के कारण यह हादसा हुआ है। इस कारण हाईवे पर मलबे का ढेर लग गया है। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय प्रशासन मलबा हटाने में जुटा है। राजमार्ग को बहाल होने में काफी समय लग सकता है। अधिकारियों ने लोगों से दूसरा रास्ता तलाशने को कहा है। भूस्खलन के कारण लोगों को इस रास्ते से दूर रहने की सलाह दी गई है।

सिरमौर जिला प्रशासन ने यात्रियों से

धैर्य रखने और यातायात कर्मियों के निर्देशों का पालन करने को कहा है। राजमार्ग से मलबा जल्द से जल्द हटाने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द ही यातायात बहाल कर दिया जाएगा।

बता दें कि पिछले साल भीषण बाढ़ और भूस्खलन की आपदा झेलने वाले हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने केंद्र सरकार पर मंगलवार को संसद में पेश बजट में राज्य की अनदेखी का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि हिमाचल में आपदा के लिए कोई बजट आवंटित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा, हमने उम्मीद की थी कि आपदा के बाद पीडीएनए (पोस्ट डिजास्टर नीड असेसमेंट) मिलेगा, लेकिन राज्य को यह नहीं मिला।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड, सिक्किम और गोवा के लिए असिस्टेंट शब्द का उल्लेख किया गया है, जबकि हिमाचल प्रदेश के लिए मल्टीलेटरल डेवलपमेंट असिस्टेंट की बात कही गई है। बाढ़ और आपदा के लिए उत्तराखंड, गोवा और सिक्किम के लिए सीधे असिस्टेंट देने की बात कही गई है, लेकिन हिमाचल के साथ ऐसा नहीं है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा के लिए राज्य सरकार ने नौ हजार करोड़ रुपये की सहायता का अनुरोध केंद्र सरकार को भेजा है जो हमें जरूर मिलना चाहिए। इसके अलावा अलग से भी प्रदेश के लिए बजट आवंटित करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि हिमाचल के साथ भेदभाव किया जा रहा है। यह बहुत दुख की बात है।

विपक्ष ने देश के जनादेश का अपमान किया है : केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के बजट सत्र का गुरुवार को चौथा दिन है और आज भी सदन में हंगामा देखने को मिल रहा है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर देश के जनादेश का अपमान करने और पीएम मोदी को गाली देने का आरोप लगाया है।किरेन रिजिजू ने कहा कि ये मानसून सत्र है और एक तरीके से ये बजट सत्र ही है।

इस सत्र में जो बजट पेश किया गया, कल उस बजट पर चर्चा का पहला दिन था। देश देखना चाहता है कि बजट पर अच्छी चर्चा हो सार्थक चर्चा हो। लेकिन कल विपक्ष के कुछ नेताओं ने जिस तरीके से बजट पर बात की, जैसा भाषण दिया, बजट सत्र की गरिमा को गिरा कर इन्होंने सदन का अपमान किया है। पीएम मोदी ने पहले ही कह दिया था कि चुनाव में पार्टियों को जो कुछ करना था वो कर दिया है। अगले पांच साल सबको मिलकर देश के लिए काम करना है।

उन्होंने आगे कहा कि कल विपक्ष ने बजट पर कुछ नहीं कहा केवल राजनीति की है। दो चीजें विपक्ष के नेताओं ने कल की हैं, उन्होंने देश के जनादेश का अपमान किया है और पीएम मोदी को गाली देने का काम किया है। ये लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। कल आपने देखा होगा कि एनडीए के जितने लोगों ने बात की बजट के बारे में अच्छे से बात की और सुझाव दिया। विपक्ष के लोगों ने बजट के अच्छे प्रावधान का जिक्र न करते हुए केवल गाली देने का काम किया है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में प्रधानमंत्री को गाली देना किसी को शोभा नहीं देता है।

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष से अपील करते हुए कहा कि कि बजट सत्र में बजट पर चर्चा होनी चाहिए।

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में डायरेक्टर सेनापति सहित अधिकारियों ने किया वृक्षारोपण

धमतरी। एक पेड़ मां के नाम के तहत स्थानीय बाबू छोटेलाल श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय धमतरी में डायरेक्टर के.सी.देव सेनापति सहित सीईओ जिला पंचायत और उपस्थितों ने वृक्षारोपण किया। साथ ही अन्य अधिकारियों ने भी फ्लदार और छायादार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर देवसेनापति ने करंज का पौधा रोपित किया, वहीं सीईओ जिला पंचायत सुश्री रोमा श्रीवास्तव ने आंवला का पौधा लगाया। इस मौके पर कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की ओर से सीईओ जिला पंचायत द्वारा डायरेक्टर देवसेनापति को स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया।

खास खबर

हॉस्टल में फांसी के फंदे पर लटका मिला मेडिकल छात्रा का शव

राजनांदगांव। पेंड्री स्थित शासकीय मेडिकल कॉलेज की फाइनल ईयर छात्रा का फांसी के फदे पर लटका हुआ शव मिला है। इसकी सूचना मिलते ही हॉस्टल में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की जांच की जा रही है। जांच के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो पाएगा। बताया जा रहा है कि गुरुवार को छात्रा का इंटरनल एग्जाम था।

जानकारी के अनुसार, छात्रा का नाम केशर गोधारा था, जो राजस्थान की रहने वाली थी। शासकीय मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल में छात्रा रह रही थी। वहीं, हॉस्टल के ही कमरे में छात्र का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला। वहीं, इसकी सूचना मिलते ही लालबाग थाना पुलिस को पूरे मामले की जानकारी दी गई। लालबाग थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को उतारा और पंचनाम कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल के हॉस्टल में रहने वाली फाइनल ईयर की छात्र का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

नजामुद्दीन अंबिकापुर एक्सप्रेस की चपेट में आने से युवक की मौत

सूरजपुर। दिल्ली से अंबिकापुर आ रही हजरत निजामुद्दीन-अम्बिकापुर एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। युवक खाली बोतल इकट्ठा कर बिक्री करता था। पुलिस का कहना है कि युवक नशे का आदी था। उसके हाथ में मिले रुमाल में सुलेशन लगा हुआ था। संभवत: रात में हो रही बारिश से बचने वह रेलवे पुलिया के पास छिपा था। इसी दौरान वह एक्सप्रेस की चपेट में आ गया होगा।

जयनगर पुलिस ने बताया कि बलरामपुर जिले के रनहत थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोदाकी निवासी 25 वर्षीय छोटू पुत्र प्रेमसागर गुप्ता घूम-घूमकर खाली बोतल इकट्ठा करता था। बीती रात करीब साढ़े 8 बजे कमलपुर ग्राम व अंबिकापुर रेलखंड के बीच आमगांव ओवरब्रिज के समीप रेलवे पोल क्रमांक 1040/15 के पास ट्रेन संख्या 18755 हजरत निजामुद्दीन-अम्बिकापुर एक्सप्रेस की चपेट में आने से युवक की मौत हो गई है। बताया जा रहा है ट्रेन से टकराने के बाद युवक का शव रेलवे ट्रैक से नीचे फेंका गया था। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए बिश्रामपुर अस्पताल भिजवाया तथा उसके परिजनों को सूचना दी। सूचना मिलने के बाद परिजन बिश्रामपुर अस्पताल पहुंचे थे।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने वार्ड परिसीमन पर लगाई रोक

बिलासपुर। बिलासपुर हाईकोर्ट ने वार्ड परिसीमन पर रोक लगाई है। कोर्ट के इस फैसले से राज्य सरकार को तगड़ा झटका लगा है। राजनादगांव नगर निगम, कुम्हारी नगर पालिका व बेमेतरा नगर पंचायत में वार्डों के परिसीमन को लेकर चुनौती दी गई थी। राज्य सरकार ने प्रदेशभर के निकायों के वार्ड परिसीमन के लिए वर्ष 2011 की जनगणना को आधार माना है। वर्ष 2014 व 2019 में भी राज्य सरकार ने वर्ष 2011 की जनगणना के आधार पर परिसीमन किया था। कोर्ट ने पूछा कि जब आधार एक ही है तो इस बार परिसीमन का कार्य क्यों किया जा रहा।

कुएं में गिरने से वृद्धा की मौत

हरदीबाजार। शाम को घर से निकली एक वृद्धा की कुएं में गिरने से मौत हो गई। मामले में पुलिस जांच कर रही है। घटना हरदीबाजार थाना क्षेत्र के ग्राम बोईदा शांतिनगर की है । नर्मदा बाई पटेल (50) की कुएं में गिरने से मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि मंगलवार शाम 6 बजे वह घर से निकली थी, जो वापस नहीं लौटी। रात में आसपास पता करने पर कहीं पता नहीं चला। बुधवार सुबह उसकी खोजबीन की गई। तब घर से थोड़ी दूर बाड़ी में स्थित कुएं में उसका शव मिला। घटना की सूचना हरदीबाजा पुलिस को दी गई। पुलिस ने पंचनामा के बाद शव का पोस्टमार्टम कराय।

सुकमा : पांच हार्डकोर नक्सलियों ने किया सरेंडर 19 लाख का था इनाम, लंबे समय से थे सक्रिय

सुकमा एसपी किरण चौव्हान के दफ्तर में पहुंचकर किया सरेंडर

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा नक्सलियों के पुनर्वास के लिए चलाई जा रही नीति व अभियान को लगातार सफलता मिल रही है। एक ओर सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की नाक में दम कर रखा है और दूसरी ओर हिंसा से तंग आ चुके नक्सली समाज की मुख्यधारा की ओर लौट रहे हैं। इसी कड़ी में सुकमा जिला एसपी कार्यालय में गुरुवार को पांच हार्डकोर नक्सलियों ने सरेंडर किया। सरेंडर करने वाले नक्सलियों पर 19 लाख रुपए का इनाम भी घाषित किया गया है।

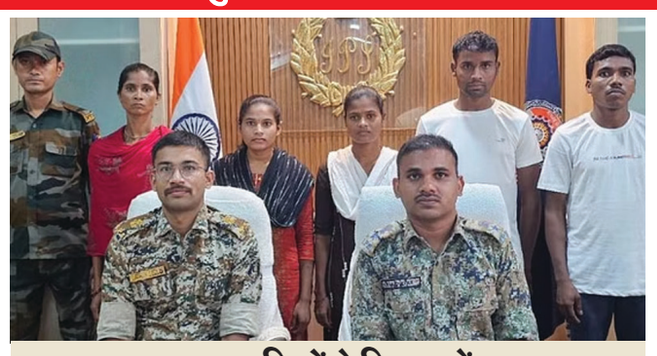

इन नक्सलियों ने किया सरेंडर

- कवासी दुला (प्लाटून नंबर 30 डिप्टी कमाण्डर/पीपीसीएम ईनामी पांच लाख) उम्र 25 वर्ष जाति मुरिया निवासी बडेसेट्टी पालोड़ी थाना फुलबगड़ी जिला सुकमा (छग)।
- सोड़ी बुधरा (प्लाटून नंबर 30 सेक्शन कमाण्डर/मेडिकल टीम कमाण्डर/पीपीसीएम ईनामी 05 लाख) उम्र 27 वर्ष निवासी मुतोड़ी थाना गादीरास जिला सुकमा (छग)।
- मड़कम गंगी (प्लाटून नंबर 30 सेक्शन 'ए' कमाण्डर ईनामी 05 लाख) पिता स्व. पोज्जा उम्र 27 वर्ष निवासी ईतापारा थाना फुलबगड़ी जिला सुकमा (छग)।
- पोड़ियाम सोमड़ी पुत्र स्व. मंगडू (प्लाटून नंबर 30 पार्टी सदस्या ईनामी 02 लाख) उम्र 25 वर्ष जाति मुरिया निवासी कोंडरे पदामपारा थाना फुलबगड़ी जिला सुकमा (छग)।
- मड़कम आयते पुत्र स्व. देवा (किस्टाराम एरिया कमेटी टेलर टीम पार्टी सदस्या, एवं पूर्व डीव्हीसीएम माड़वी सवित्री की गार्ड ईनामी 02 लाख) उम्र 35 वर्ष जाति मुरिया निवासी दुरमा, मेहता थाना कोण्टा जिला सुकमा (छग)।

जिले में सरकार की नीति और नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का असर देखने को मिल रहा है। गुरुवार को सुकमा के पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे पांच हार्डकोर नक्सलियों ने सुकमा एसपी किरण चव्हाण के समक्ष बिना हथियार आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पित नक्सलियों पर 19 लाख का इनाम घोषित है। सरेंडर करने वाले नक्सली लंबे समय से नक्सली संगठन में सक्रिय रहकर कई घटनाओं में शामिल रह चुके हैं। सभी आत्मसमर्पित माओवादियों को कपड़ा एवं प्रोत्साहन राशि 25-25 हजार रूपये प्रदाय किया गया। सभी आत्मसमर्पित माओवादियों को ''छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति के तहत् सहायता राशि व अन्य सुविधायें प्रदाय कराये जायेंगे।

बस्तर में चल रहे ऑपरेशन के बीच नक्सलियों के निशाने पर जवान, सड़क पर मिला फॉक्स होल

सुकमा। जिले में लगातार नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के बीच नक्सली भी जवानों को निशाना बनाने की ताक में हैं। सड़क सुरक्षा पर निकलने वाली टीम को निशाना बनाने के लिए नक्सली आईईडी का इस्तेमाल करने की फिराक में हैं। पूरे मामले का खुलासा उस वक्त हुआ, जब भेज्जी थाना क्षेत्र अंतर्गत कोत्ताचेरू के पास सड़क के किनारे सुरक्षाबल के जवानों को एक बड़ा फॉक्स होल दिखा। आमतौर पर यह फॉक्स होल नक्सली सड़क के नीचे बनाते हैं। जिससे ऊपर से चमचमाती दिखने वाली सड़क के नीचे मौत का सामान जवानों की नजर से दूर होता है और नक्सली बड़ी घटना को अंजाम दे देते हैं।

मामले की पुष्टि करते हुए सुकमा एसपी किरण चव्हाण ने बताया कि कोबरा और सीआरपीएफ की टीम इलाके में सर्चिंग पर निकली हुई थी। इसी दौरान नक्सलियों के द्वारा तैयार किया गया फॉक्स हॉल जवानों की नजर में आ गया, जिसके बाद आसपास के इलाके में सर्चिंग तेज की गई। बताया जा रहा है कि जो फॉक्स होल प्लान किया गया था, उसमें कम से कम 50 किलो तक का विस्फोटक आसानी से आ सकता था, जिससे एक बड़े वाहन के भी परखच्चे उड़ाए जा सकते हैं।

बता दें कि बीते दिनों टैकलगुड़ा नक्सली हमले में भी एक ऐसा ही ब्लास्ट किया गया था, जिसमें नक्सलियों के द्वारा सड़क के नीचे फॉक्स हॉल तैयार किया गया था और इस घटना में वाहन के पर कच्चे उड़ गए थे। वहीं, मौके पर दो जवान शहीद हो गए थे। हालांकि कोत्ताचेरु में जवानों की सूझबूझ से इस बात की जानकारी मिल गई कि नक्सली इस सड़क पर जवानों को निशाना बनाने जा रहे हैं। मौके पर फॉक्स होल को बंद किया गया और इलाके में सुरक्षा बल के जवानों को अलर्ट मोड पर रखा गया।

कांग्रेस नेता की हत्या: ब्याज में रुपए देता था हरिराम ज्यादा ब्याज मांगने पर की गई हत्या, छह गिरफ्तार

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में ब्लॉक कांग्रेस कार्यकारिणी सदस्य था हरिराम पटेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़-बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ के नवगठित सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में ब्लॉक कांग्रेस कार्यकारिणी सदस्य हरिराम पटेल की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मामले में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या का खुलासा कर दिया है। आरोपियों ने अधिक ब्याज लेने की वजह से प्लानिंग के तहत हरिराम पटेल की हत्या की वारदात को अंजाम दिया था।

बता दें 23 जुलाई की रात की हरिराम किसी काम के सिलसिले में बरमकेला गया था और वहां से रात करीब वापस आ रहा था इसी बीच रात करीब पौने 8 बजे के करीब मृतक अपने बच्चे से फोन में बात किया था और उसके बाद से मृतक का फोन बंद हो गया था। किसी राहगिर से रात में देखा कि सड़क किनारे मोटर सायकल पडा हुआ है और सड़क किनारे शव पड़ा हुआ है। जिसके बाद मृतक की शिनाख्त हरिराम पटेल के रूप में हुई। जिसके बाद पुलिस रात में ही मौके पर पहुंच गई थी और फिर सुबह भी घटना स्थल पर पहुंची और फारेंसिक टीम के अलावा डॉग स्क्वायड की टीम भी मौके पर पहुंची है। सारंगढ़ पुलिस ने इस मामले में छह आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

ऐसे पकड़े गए आरोपी

सारंगढ़ पुलिस अधीक्षक पुष्कर शर्मा के दिशा निर्देश में बरमकेला, सरिया, कोतवाली, डोंगरी पाली थाना एवं सायबरसेल प्रभारी के नेतृत्व में अलग-अलग टीम बनाकर संदिग्धों के बारे में जानकारी एकत्रित कर उनके पूछताछ की जा रही थी। इसी दौरान छह संदिग्ध सारंगढ़ पुलिस के हत्थे चढ़े, जिनसे कड़ाई से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

ब्याज की रकम बनी वजह

आरोपियों ने पूछताछ में बताया गया कि मृत्तक हरिराम पटेल ब्याज में उधारी रकम देने का काम करता था। आरोपी हेमानंद उर्फ गुडडू सारथी ने बताया कि उसने हरिराम से 12 जुलाई को 80 हजार रूपये ब्याज पर लिया था, जिस पर हरिराम पटेल ने प्रति 4 दिवस में 20 प्रतिशत ब्याज दर के हिसाब से 16 हजार रूपये ब्याज लेना तय किया था। आरोपी ने उसे दो ब्याज किश्त कुल 32 हजार रूपये दिए थे और 24 जुलाई को अगली ब्याज किश्त 16 हजार रुपये देने थे।

इस तरह रची साजिश

आरोपी गोकुल सिदार ने बताया कि एक वर्ष पहले उसने मृतक से 10 हजार रुपये ब्याज में राशि ली थी। जिसका कुछ मूल चुकाने के बाद 7500 रूपये मूल राशि के प्रतिमाह 1500 रुपये ब्याज देना पड़ रहा था। जिससे उक्त दोनों आरोपी आक्रोशित थे, इसलिये दोनों आरोपियों ने अपने अन्य चार साथियों के साथ प्लानिंग कर ओडिसा के एक लोहार से चारपहिया वाहन के पट्टा से तलवारनुमा धारदार हथियार बनवाकर हत्या के दो दिवस पहले हत्या की पूरी प्लानिंग कर घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपियों के निशानदेही पर घटना स्थल व आरोपियों के बताये स्थानों से हत्या में प्रयुक्त हथियार, गाड़ियां, मोबाइल, जले हुए कपड़ों की राख आदि जब्त करते हुए आगे की कार्रवाई की जा रही है।

पकड़े गए आरोपियों में हेमानंद सारथी उम्र 27 वर्ष निवासी हिर्री थाना बरमकेला, गोकुल सिदार उम्र 28 वर्ष निवासी सहज पाली थाना बरमकेला, मिनेन्द्र कुमार सारथी, उम्र 27 वर्ष निवासी बिकमपाली (ऐरीपाली मुहल्ला) थाना सरिया जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़, आत्माराम सारथी उम्र 30 वर्ष निवासी कर्राकोट थाना सरिया राजू चैहान उम्र 24 वर्ष निवासी हिरी थाना बरमकेला व श्रवण कुमार सारथी उम्र 27 वर्ष निवासी तिउर खडीयापारा थाना खरसिया जिला रायगढ़ शामिल है।

घर में तेंदुए की खाल मिलने के बाद फरार हो गया था बदमाश, दो महीने बाद पिथौरा से हुआ गिरफ्तार

आरोपी के खिलाफ वन संरक्षण अधिनियम के तहत की गई कार्रवाई

रायगढ़। रायगढ़ जिला मुख्यालय में दो माह पहले एक मकान से तेंदुए की खाल, एयर पिस्टल और बुलेट खोखा मिलने के मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने पिथौरा से गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ वन संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि तेंदुआ की खाल के मामले में आरोपी के खिलाफदो मई को वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। आरोपी आकाश वर्मा अभी तक फरार चल रहा था। आरोपी के पिथौरा में छुपे होने की सूचना के बाद वन मंडलाधिकारी के दिशा निर्देश के बाद एक टीम बनाकर पिथौरा के जोगरा बरतुंगा खार गांव से आरोपी को गिरफ्तार कर रायगढ़ लाया गया है। वन विभाग की टीम इस मामले में आगे की कार्रवाई में जुट गई है। अभी तक आकाश वर्मा से पूछताछ नही की गई है और न ही बयान दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम की धारा 1972 9, 39, 44, 48, 52 दर्ज किया गया है।

क्या है पूरा मामला

वन विभाग की टीम ने दो मई को शहर के सतीगुड़ी चैक से आगे बैकुंठपुर में शर्मा गली में आकाश वर्मा के घर में छापामार कार्रवाई करते हुए एक तेंदुए की खाल, एक नग एयर पिस्टल और बुलेट खोखा किया था। जिसे वन विभाग की टीम ने जब्त करते हुए वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया था। वन विभाग की इस कार्रवाई के दौरान आकाश वर्मा घर में नहीं मिला। इसके बाद परिजनों से इस संबंध में पूछताछ करने पर उन्होंने इस मामले में कोई भी जानकारी नहीं होना बताया था।

बाथरूम के ऊपर कार्टून में मिली थी खाल

वन विभाग की टीम को आकाश वर्मा के घर के बाथरूम के ऊपर एक कार्टून के अंदर तेंदुए की खाल मिली थी, जिसकी लंबाई करीबन पांच फीट बताई गई थी। जो कि पूरी तरह सूख भी नहीं पाई थी, जिससे अंदेशा जताया गया था कि उक्त तेंदुए की खाल हाल फिलहाल की हो सकती है। लेकिन आकाश वर्मा के फरार हो जाने से उक्त मामले का पता नहीं चल सका था।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, दुर्ग मण्डल दुर्ग (छत्तीसगढ़)

दुर्ग, दिनांक 18.07.2024

(ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना)
(प्रथम आमंत्रण)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से ऑनलाईन निविदायें प्रपत्र ''अ'' में प्रतिशत दर पर दिनांक 07.08.2024 तक आमंत्रित की जाती है:-

निविदा आमंत्रण सू.क./ सि.क्रं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (राशि लाख में)
78/156510	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग पंडरिया के अंतर्गत विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू. एम. एम. एवं बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	99.97
79/156511	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग खैरागढ के अंतर्गत बढईटोला एवं मुढीपार सेक्शन विभिन्न मार्गो में डब्ल्यू. एम. एम. एवं बी.टी. पेच रिपेयर कार्य	99.98
80/156512	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रं. 01 दुर्ग के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों में एम.ओ.डब्ल्यू. विशेष मरम्मत एवं जमा का कार्य	129.97
81/156513	शासकीय शिवलाल राठी उत्कृष्ट अंगेजी माध्यम स्कूल बेमेतरा में कल्चरल हॉल का निर्माण कार्य	102.72
82/156514	साजा उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का रंगाई पाताई का कार्य	49.99
83/156516	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत आवसीय एवं गैर आवासीय भवनों में वार्षिक संधारण का कार्य	50.00
84/156517	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों एम.ओ.डब्ल्यू. विशेष मरम्मत एवं जमा का कार्य	29.95
85/156518	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग गुण्डरदेही के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों व्हाईट वाशिंग, कलर वाशिंग, डिस्टेम्परिंग एवं पेंटिग का कार्य	49.87
86/156520	उपसंभाग छुईखदान के अंतर्गत शास. अवासीय एवं गैर आवासीय भवनों वार्षिक मरम्मत कार्य	50.00
87/156521	उपसंभाग खैरागढ के अंतर्गत शास. आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों विशेष मरम्मत एवं लघु मूल गौण कार्य	30.00
88/156522	उपसंभाग खैरागढ के अंतर्गत शास. अवासीय एवं गैर आवासीय भवनों का वार्षिक मरम्मत कार्य	79.95
89/156523	उपसंभाग खैरागढ के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों व्हाईट वाशिंग, कलर वाशिंग, डिस्टेम्परिंग एवं पेंटिग का कार्य	49.96
90/156524	उपसंभाग छुईखदान के अंतर्गत आवासीय एवं गैर आवासीय भवनों व्हाईट वाशिंग, कलर वाशिंग, डिस्टेम्परिंग एवं पेंटिग का कार्य	49.96

टीप

1. एन.आई.टी.क्रं 78 लोक निर्माण विभाग कवर्धा संभाग कवर्धा से संबंधित है, एन.आई.टी. क्रं 79, 86, 87, 88, 89 एवं 90 से लोक निर्माण विभाग , खैरागढ संभाग खैरागढ से संबंधित है, एन.आई.टी.क्रं 80 लोक निर्माण विभाग दुर्ग संभाग दुर्ग से संबंधित है, एन.आई.टी.क्रं 81 एवं 82 लोक निर्माण विभाग बेमेतरा संभाग बेमेतरा से संबंधित है, एन.आई.टी.क्रं 83,84 एवं 85 लोक निर्माण विभाग बालोद संभाग बालोद से संबंधित है ।
2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब portal एवं विभागीय वेबसाइट http://eproc.cgstate.gov.in से डाऊनलोड की जा सकती है ।
3. पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में भेजे जाने वाले लिफाफे के ऊपर एन.आई.टी. कमांक एवं कार्य का नाम अनिवार्य रूप से अंकित किया जायें ।

अधीक्षण अभियंता
लोकनिर्माण विभाग, दुर्ग मंडल, दुर्ग

जी-242501348/9

दंपती के बीच महुआ शराब पीने की बात को लेकर हुआ विवाद, पति ने पत्नी की कर छिपा दी लाश

पुलिस की गिरफ्त में आया आरोपी, नाले के पास शव बरामद

कबीरधाम (ए.)। चिल्फी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। एडिशनल एसपी पुष्पेंद्र सिंह बघेल ने बताया कि 24 जुलाई को सूचना मिला कि अकलू बैगा ने अपनी पत्नी समारीन बैगा की हत्या कर दी है। मृतका के कपड़े मिले हैं, लेकिन शव नहीं मिला है। सूचना पर चिल्फी पुलिस ग्राम कबरीपथरा जाकर परिजनों के साथ शव की खोजबीन शुरू की। समारीन बैगा का मृत शरीर अकलू बैगा की बाड़ी के पास झोरी नाला में मिला। ग्रामीणों से पूछताछ करने पर पता चला कि रविवार रात को अकलू बैगा व समारीन बैगा की आपस में लड़ाई हो रही थी।

उसके अगले दिन से अकलू और समारीन कहीं दिखाई नहीं दे रहे थे, जिस पर मर्ग व अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया गया। फरार आरोपी अकलू बैगा को गुरुवार को चिल्फी पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने बताया कि रविवार की रात को महुआ शराब पीने की बात पर आपस में विवाद हुआ। गुस्से में आकर अपनी पत्नी समारीन बैगा के सिर पर पत्थर मारकर हत्या कर दी। शव को झोरी नाला के पास फेंक किया। इस मामले में पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

।। कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग ।।

Emailld:- durgmc2019@gmail.comPhone:- 0788-2322148

-:: ई-प्रोक्योरमेंट द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना ::-

क्रमांक 268 लो0क0वि0/2024 दिनांक 24/7/24

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत अनुभवी ठेकेदारों से नीचे उल्लेखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आंमत्रित की जाती है-

क्र	कार्य का नाम	लागत (लाख में)	निविदा जारी दिनांक
1	वार्ड क्रमांक 15 करहीडीह दुर्ग में मुक्तिधाम का जीर्णोद्वार कार्य। (2ND CALL) SystemNo. 156593,Dt:24.07.2024	27.36 लाख	24.07.2024 से 08.08.2024 खोलने की तिथि 13.08.2024

निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाइट www.uad.cg.gov.inसे भी डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता

ग्रीन स्टील से शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य के साथ ही खुलेंगे आर्थिक संभावनाओं के भी द्वार : मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। क्लाइमेट चेंज की चुनौती से निपटने के लिए पूरी दुनिया ग्रीन स्टील की ओर रुख कर रही है। स्टील के उत्पादन में अग्रणी राज्यों में से एक होने के नाते ग्रीन स्टील छत्तीसगढ़ के लिए भी बड़ी संभावनाएं लेकर आया है। इससे न केवल कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में हमें मदद मिलेगी, अपितु इस क्षेत्र में नवीन पहल कर हम बड़ी आर्थिक उपलब्धियों की संभावनाओं का द्वार खोल सकते हैं। यह बात मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर अटल नगर स्थित मेफेयर लेक रिसार्ट में आयोजित ग्रीन स्टील समिट 2024 में शामिल होने के अवसर पर कही। इस समिट का आयोजन भारतीय इस्पात उद्योग को कार्बन रहित बनाने के उद्देश्य से किया गया है। समिट में देश भर के प्रमुख उद्योगपति, व्यापारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संबोधन में सीआईआई को आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ प्रदेश भारत का सबसे प्रमुख स्टील निर्माता है। हमारे यहां सार्वजनिक क्षेत्र के भिलाई स्टील प्लांट और नगरनार स्टील प्लांट जैसी बड़ी इकाईयां तो संचालित है ही, इसके साथ-साथ निजी क्षेत्र के अनेक छोटे-बड़े इस्पात संयंत्र संचालित हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भिलाई इस्पात संयंत्र एशिया का सबसे बड़ा स्टील प्लांट है और छत्तीसगढ़ में लोहे के विशाल भंडार हैं, जिनमें बैलाडीला, रावघाट और दल्लीराजहरा प्रमुख हैं। छत्तीसगढ़ का देश में कुल उत्पादित स्टील में लगभग 20 प्रतिशत तक का योगदान है और राज्य की अर्थव्यवस्था में उद्योगों की भागीदारी 53.50 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री ने इस्पात उद्योग से उत्पन्न होने वाले प्रदूषण के वैश्विक चिंताओं पर भी प्रकाश डाला और कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने का दृष्टिकोण सामने रखा है। उन्होंने केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन की घोषणा की सराहना की और राज्य में सौर ऊर्जा और हरित ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयासों का उल्लेख किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सीआईआई का यह समिट भारतीय इस्पात उद्योग को कार्बन रहित बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण प्रयास है। आज हम इस समिट में ग्रीन स्टील जैसे रोचक विषय पर बात कर रहे हैं। इस शब्द में खूबसूरती तो है ही, साथ ही साथ जिम्मेदारी भी है। मुख्यमंत्री ने समिट में उपस्थित सभी प्रतिनिधियों से ग्रीन स्टील उत्पादन की नई तकनीक को अपनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने का आह्वान किया और कहा कि हमारी एकजुटता से हम स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण का निर्माण करते हुए मिलजुलकर विकास करेंगे।

इस समिट में देश भर के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि भी उपस्थित थे, जिन्होंने ग्रीन स्टील उत्पादन की दिशा में किए जा रहे प्रयासों और नई तकनीकों पर अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर सीआईआई के पदाधिकारी और उद्योगपति आशीष सराफ, सिद्धार्थ अग्रवाल, सुवेन्द्र बेहरा, संजय जैन, पी वी किरण अनंत उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय की पहल पर नक्सल पीड़ित परिवारों के परिजनों को मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति

रायपुर। नक्सली हिंसा में मृतक के परिजनों को छत्तीसगढ़ शासन के पुनर्वास नीति के तहत शासकीय सेवा में अनुकंपा नियुक्ति प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर राज्य के सभी वर्गों के विकास के लिए कल्याणकारी योजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन कर लाभांवित किया जा रहा है। आज बीजापुर जिला स्तरीय पुनर्वास समिति की बैठक में नक्सल पीड़ित परिवारों के 58 लोगों को अनुकम्पा नियुक्ति देने का निर्णय लिया गया। पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव ने बताया कि अनुकम्पा नियुक्ति के लिए कुल 58 पात्र आवेदकों को प्रथम चरण में अनुकंपा नियुक्ति दी जाएगी। पूर्व में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक कार्यालय से प्राप्त प्रकरणों की समीक्षा करते हुए 19 जुलाई तक दावा आपत्ति आमंत्रित की गई थी, बाद में इस तिथि में वृद्धि करते हुए 24 जुलाई 2024 को निर्धारित की गई। उक्त तिथियों में प्राप्त दावा आपत्तियों का निराकरण करते हुए समिति के निर्णय के आधार पर विभिन्न विभागों में चतुर्थ वर्ग के पदों पर नियुक्ति हेतु अंतिम रूप से 58 आवेदक प्रथम चरण में पात्र पाए गए हैं, जिन्हें यह नियुक्ति दी जाएगी।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत विधानसभा आवासीय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन

मुख्यमंत्री साय ने लगाया बेल का पौधा

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत आज छत्तीसगढ़ विधानसभा के आवासीय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने अपनी मां के सम्मान में वहां बेल का पौधा लगाया। विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने सीताफल, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने हनुमान फल और उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नीम के पौधे का रोपण किया। विधानसभा आवासीय परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने रामफल, वन मंत्री केदार कश्यप ने महुआ, खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने आंवला, श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन और महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने हर्रा, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने लक्ष्मण फल, वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने बेल तथा राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने पीपल का पौधा लगाया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में विधायकों और राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी अपनी मां की स्मृति और सम्मान में पौधे लगाए। कार्यक्रम में आज विभिन्न प्रजाति के सौ से अधिक पौधे लगाए गए। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विधानसभा के आवासीय परिसर में 50 एकड़ क्षेत्र में इकोलॉजिकल पार्क विकसित किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज यहां 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से बगीचा में शुरू होगा अपेक्स बैंक की शाखा: किसानों को मिलेगी बड़ी सुविधा

रायपुर। जशपुर जिले के बगीचा में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल से जल्द ही अपेक्स बैंक की शाखा का शुभारंभ होगा। रायपुर स्थित रिजर्व बैंक ऑफइंडिया की क्षेत्रिय बैंक ने बगीचा में अपेक्स बैंक की शाखा शुरू करने की अनुमति प्रदान कर दी है। आवश्यक कागजी कार्रवाई के बाद जल्द ही अपेक्स बैंक बगीचा में काम करना प्रारंभ होगा। इस बैंक के शुरू हो जाने से बगीचा ब्लाक के किसानों को बड़ी सुविधा मिलेगी। अपेक्स बैंक का प्रयोग किसानों के समर्थन मूल्य में फसलों की खरीदी के भुगतान के लिए किया जाता है। इस बैंक में जमा होने वाली राशि को निकालने के लिए किसानों को जशपुर और कुनकुरी तक दौड़ लगाना पड़ता था। अपेक्स बैंक की शाखा खुल जाने किसानों को इस दौड़ से मुक्ति मिल जाएगी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की नेतृत्व वाली राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार निर्णय ले रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने मोदी की गारंटी के तहत किये गए वायदों को पूरा करते हुए पंजीकृत किसानों से 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से धान की खरीदी कर, बोनस सहित धान का मूल्य किसानों के खाते में डाल चुकी है। इससे किसानों में प्रसन्नता व्याप्त है।

मुख्यमंत्री से बैगा जाति के प्रतिनिधिमंडल ने की सौजन्य मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से आज विधानसभा परिसर स्थित उनके कार्यालय कक्ष में बैगा जनजाति के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। नवल सिंह बैगा के नेतृत्व में कबीरधाम जिले के कुकदुर तहसील के ग्राम बोहील और आगरपानी से आए प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री साय का परंपरागत ढंग से स्वागत किया। इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने विभिन्न समस्याओं से उन्हें अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा।

विधायक भावना बोहरा ने विधानसभा में कृषि विभाग के संबंध में पूछे प्रश्न

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विधानसभा में आज पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कृषि विभाग से सम्बंधित विभिन्न प्रश्न सदन के समक्ष रखे। इसके साथ ही उन्होंने छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार द्वारा कृषि विकास एवं किसान कल्याण के लिए कृषि उपज मंडी संशोधन विधेयक पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए सदन में उसकी जानकारी दी।

इस दौरान उन्होंने किसानों को आवंटित होने वाले ट्रैक्टर के वितरण में असामनता का मुद्दा प्रमुखता से रखा साथ ही किसानों के हित व योजनाओं का लाभ उन्हें नियमित रूप से मिल सके इस विषय में भी सदन का ध्यान आकर्षण कर अपने विचार रखे। उन्होंने किसानों को वितरित

खाद, कृषि विभाग द्वारा क्रय उपकरण व सामग्री एवं प्री-मैट्रिक अनुसूचित जनजाति बालक एवं बालिका छात्रावास के संबंध में भी प्रश्न किया। भावना बोहरा ने कहा कि हमारे छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहा जाता है हमारे छत्तीसगढ़ का एक बड़ा हिस्सा वन क्षेत्र भी है जहां वन उपज संग्रहण से अधिकांशत आदिवासी समाज के लोग जीवन यापन करते हैं ऐसे में आज जब छत्तीसगढ़ राज्य उपज मंडी अधिनियम 1972 क्रमांक 24 की धारा 2 की उप धारा 1 में महत्वपूर्ण संशोधन विधेयक सदन के पटल पर रखा गया है तब मैं संशोधन का स्वागत करती हूं। है। इस संशोधन के उपरांत राज्य सरकार को मंडी शुल्क की बात ही कृषक कल्याण शुल्क से भी छूट दिए जाने की शक्तियां होगी इस दृष्टि से यह संशोधन किसानों के कल्याण में अत्यंत महत्वपूर्ण होगा। इसके साथ ही इस संशोधन के उपरांत मंडियों द्वारा संग्रहित कृषक कल्याण शुल्क का राज्य शासन द्वारा निर्धारित परिषद बोर्ड को छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण निधि में भुगतान करने और छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण निधि को सहकारी बैंक या डाकघर या राज्य शासन द्वारा निर्देशित पत्र बैंकों में जमा किया जा सकेगा। जिससे न केवल यह राशि सुरक्षित रहेगी बल्कि इस राशि पर ब्याज का लाभ भी प्राप्त होगा। हमारे छोटे किसानों की जितनी लागत फसल को उपजाने में लगती है, उतना ही संघर्ष उन्हें अपने उपज को मंडी तक ले जाने के परिवहन में भी करना पड़ता है। इस संशोधन के उपरांत प्रदेश के किसान निकटतम मंडी एवं जहां उन्हें ज्यादा मूल्य प्राप्त हो ऐसी मंडी में अपनी उपज विक्रय कर सकेंगे जो कि स्वागत योग्य है। छत्तीसगढ़ राज्य उपज मंडी अधिनियम 1972 क्रमांक 24 की धारा 2 की उप धारा 1 में यह संशोधन अन्नदाताओं के हित और उनका आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भावना बोहरा ने कहा कि किसानों को शासन द्वारा जो ट्रैक्टर आवंटन किया जाता है उसमें असमानता है, जिसे गंभीरता से लिया जाए। जानकारी के अनुसार की हर ब्लॉक एवं विकासखंड में अलग-अलग ट्रैक्टर आवंटन किया जा रहा है। किसी ब्लॉक में पहले आवेदन करने वाले किसानों को अभी तक ट्रैक्टर आवंटित नहीं हुआ है और बाद में आवेदन करने वालों को ट्रैक्टर आवंटित करने की भी सूचनाएं प्राप्त हो रही हैं। उन्होंने पूछा कि पंडरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत विगत तीन वित्तीय वर्षों एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष में दिनांक 30 जून, 2024 तक किस योजना के तहत, कितने हितग्राही कृषकों को अनुदान पर ट्रैक्टर स्वीकृत किये गये? कितने किसानों को कितनी अनुदान राशि स्वीकृत की गई है एवं कितने आवेदन प्राप्त एवं निरस्त हुए हैं?

बस्तर के हरा सोना संग्राहकों को बैंक मित्र एवं बैंक सखियों से सीधे मिल रही पारिश्रमिक राशि

तेंदूपत्ता पारिश्रमिक राशि से घर-परिवार की जरूरतें हो रही पूरी, तेंदूपत्ता सीजन 2024 में 36 हजार से अधिक संग्राहकों को 12 करोड़ रुपए से ज्यादा पारिश्रमिक राशि का हो रहा भुगतान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। हरा सोना माना जाता है, जो वनांचल के संग्राहकों की अतिरिक्त आय का मुख्य जरिया हैको हरा सोना माना जाता है, जो वनांचल के संग्राहकों की अतिरिक्त आय का मुख्य जरिया हैको हरा सोना माना जाता है, जो वनांचल के संग्राहकों की अतिरिक्त आय का मुख्य जरिया है बस्तर अंचल में तेंदूपत्ता को हरा सोना माना जाता है, जो वनांचल के संग्राहकों की अतिरिक्त आय का मुख्य जरिया है। गर्मी के दिनों में जब ग्रामीणों के पास न तो खेतों में काम होता है और न ही घर में कुछ काम, तब इसी तेंदूपत्ता यानी हरा सोना का संग्रहण उन्हें मेहनत एवं संग्रहण के आधार पर भरपूर पारिश्रमिक देता है।

वनांचल में रहने वाले ग्रामीणों के लिये तेंदूपत्ता के प्रति मानक बोरा की दर में हुई वृद्धि भी खुशियां जगा दी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा तेंदूपत्ता का प्रति मानक बोरा राशि 5500 रुपए किए जाने के बाद संग्राहकों में अपार खुशी है। वहीं तेंदूपत्ता संग्राहकों को तेंदूपत्ता पारिश्रमिक राशि स्थानीय स्तर पर बैंक सखियों के माध्यम से भुगतान होने के फलस्वरूप विशेषकर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के संग्राहकों को बहुत सहूलियत हो रही है। इसे मद्देनजर रखते हुए बस्तर कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के मार्गदर्शन में जिले के अंदरूनी इलाके के संग्राहकों को तेंदूपत्ता पारिश्रमिक राशि का भुगतान बैंक मित्र और बैंक सखियों के माध्यम से किया जा रहा है। तेंदूपत्ता सीजन 2024 में संग्रहित तेंदूपत्ता का 36 हजार 229 संग्राहकों को 12 करोड़ 43 लाख 95 हजार 749 रुपए पारिश्रमिक राशि अपने गांव के बैंक मित्र एवं बैंक सखियों द्वारा की जा रही है।

लोहण्डीगुड़ा विकासखंड के दूरस्थ ग्राम कुथर के तेंदूपत्ता संग्राहक आयतू और बैसू तेंदूपत्ता संग्रहण कर उसे समिति में बेचने का कार्य वर्षों से कर रहे हैं। एक सीजन में तीन से पांच से आठ हजार रूपए तक कमाई करने वाले इन संग्राहकों का कहना है कि वे सुबह से शाम तक पत्ते तोड़कर उसे गड्डी तैयार करते हैं, फिर फड़ में ले जाकर विक्रय करते हैं। उनका अधिकांश समय वन में ही गुजरता है। मुख्यमंत्री द्वारा 04 हजार रूपए प्रति मानक बोरा राशि की दर को 05 हजार 500 रूपए किए जाने पर खुशी जताते हुए बैसू ने कहा कि इससे उसके जैसे अनेक संग्राहकों को अच्छा लाभ मिला है।

दरभा ब्लॉक के ग्राम पखनार की रहने वाली संग्राहक मासे मंडावी एवं सुकली मंडावी का कहना है कि वह कई साल से तेंदूपत्ता तोड़ने का कार्य कर रही है। संग्राहकों के हित में 4000 की राशि 5500 रूपए प्रति मानक बोरा होने पर गरीब संग्राहकों को इससे फायदा होने की बात कही। बकावंड ब्लॉक के डिमरापाल निवासी सुकरी नेताम ने बताया कि वह खेती-किसानी के साथ-साथ तेंदूपत्ता संग्रहण का काम कई वर्षों से कर रही हैं। गांव में तेंदूपत्ता संग्रहण से गर्मी के दिनों में कुछ कमाई हो जाती है। एक-एक पत्तों को तोड़कर बण्डल बनाने में मेहनत लगता है। शासन ने संग्राहकों के परिश्रम का महत्व को समझते हुए राशि बढ़ाई है जो सराहनीय है।

इन ग्रामीण संग्राहकों ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए प्रति मानक बोरा दर 4000 रुपए से बढ़ाकर 05 हजार 500 रूपये किए जाने से संग्राहकों को राहत मिल रही है। बकावंड डिमरापाल के संग्राहक सैयतो यादव ने बताया कि गांव के पास ही मरहान और जंगल है। आसपास के क्षेत्र में तेंदूपत्ता संग्रहण आसानी से हो जाता है। तेंदूपत्ता संग्रहन से राशि मिलती है तो घर-परिवार की जरूरतें होती है। यह ग्रामीण संग्राहकों के लिए अतिरिक्त आमदनी का मुख्य जरिया है। इस प्रकार तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए प्रति मानक बोरा दर में वृद्धि से जिले के वनांचल में रहने वाले सभी तेंदूपत्ता संग्राहकों को सुखद अनुभूति हुई है।

बैंक मित्र पखनार रामो कुंजाम ने बताया कि वह ईलाके के 05 ग्राम पंचायतों के 250 से ज्यादा तेंदूपत्ता संग्राहकों को तेंदूपत्ता पारिश्रमिक राशि का भुगतान कर चुके हैं। वहीं लोहण्डीगुड़ा ब्लॉक के कस्तूरपाल के बैंक मित्र सामू कश्यप ने 50 से अधिक संग्राहकों तथा बस्तर विकासखण्ड के भानपुरी की बैंक सखी जमुना ठाकुर ने 56 से ज्यादा संग्राहकों को भुगतान किया है। वहीं बकावंड ब्लॉक के डिमरापाल की बैंक सखी तुलेश्वरी पटेल अब तक डिमरापाल एवं छिंदगांव के 90 से अधिक तेंदूपत्ता संग्राहकों को डेढ़ लाख रुपए से ज्यादा का भुगतान कर चुकी हैं।

जिले के 15 समितियों के तेंदूपत्ता संग्राहकों को बैंक सखियों ने किया भुगतान

वनमंडलाधिकारी एवं प्रबंध संचालक जिला सहकारी यूनियन जगदलपुर श्री उत्तम गुप्ता ने बताया कि जिले के सभी 07 विकासखण्डों के अंतर्गत 15 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के कुल 36 हजार 229 संग्राहकों को 12 करोड़ 43 लाख 95 हजार 749 रुपए पारिश्रमिक राशि अपने गांव के बैंक मित्र एवं बैंक सखियों से भुगतान किया जा रहा है। जिसके तहत लोहण्डीगुड़ा ब्लॉक के 13 ग्राम पंचायतों के 1947 संग्राहकों को 79 लाख 47 हजार 665 रुपए, तोकापाल विकासखण्ड के एक ग्राम पंचायत के 76 संग्राहकों को 03 लाख 36 हजार 193 रुपए,बास्तानार ब्लॉक के 22 ग्राम पंचायतों के 1831 संग्राहकों को 79 लाख 69 हजार 995 रुपए,बस्तर विकासखण्ड के 65 ग्राम पंचायतों के 10 हजार 78 संग्राहकों को 02 करोड़ 68 लाख 72 हजार 736 रुपए, दरभा ब्लॉक के 21 ग्राम पंचायतों के 1782 संग्राहकों को एक करोड़ 37 लाख 71 हजार 934 रुपए तथा बकावंड विकासखण्ड के 86 ग्राम पंचायतों के 16 हजार 510 संग्राहकों को 05 करोड़ 45 लाख 47 हजार 614 रुपए पारिश्रमिक राशि का भुगतान स्थानीय बैंक सखियों द्वारा किया जा रहा है। जिससे जहां ग्रामीण संग्राहकों को भुगतान प्राप्त करने में सुविधा हुई, वहीं इन बैंक सखियों को भी अच्छी कमीशन राशि मिली।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950